दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-158 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 31 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

जंतर-मंतर प्रोटेस्टः सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को सख्त निर्देश- 'घायलों को मिले पूरा इलाज', पैलेट गन एसओपी पर मांगा जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन के इस्तेमाल के खिलाफ याचिका पर सुनवाई की है। कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और पैलेट गन से घायल हुए लोगों का इलाज कराने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) की ओर से इस्तेमाल किए गए हथियारों और गोलियों का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। साथ ही, कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि पैलेट से घायल हुए पीड़ितों को पूरा मेडिकल इलाज दिया जाए। गुरुवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि पैलेट गन के इस्तेमाल की एसओपी क्या है। कोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी करते हुए इस पर जवाब मांगा।

इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग में संशोधन करने का निर्देश दिया। याचिका में पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच गुरुवार को रिटायर्ड इंटेलिजेंस ब्यूरो के स्पेशल डायरेक्टर यशोवर्धन आजाद और दो अन्य लोगों (प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

याचिका में 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई के दौरान पैलेट से घायल हुए सभी पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने और साथ ही पीड़ितों का इलाज कराए जाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पैलेट गन का इस्तेमाल अपने आप में अनुचित है, क्योंकि यह गैर संवैधानिक होने के साथ ही तर्क की कसौटी पर खरा नहीं उतरता।

मेटा की सफाई से संतुष्ट नहीं केंद्र सरकार, पीएम मोदी के वीडियो मामले में शीर्ष अधिकारियों को किया तलब

नई दिल्ली (आरएनएस) केंद्र सरकार ने अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी मेटा के बड़े अधिकारियों को तलब किया है। यह कार्रवाई पिछले हफ्ते फेसबुक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक वीडियो संदेश को कुछ समय के लिए प्रतिबंधित किए जाने के बाद की गई है। सरकार ने इस घटना पर कंपनी से कड़ा जवाब मांगा है।बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने NEET पेपर लीक के देशव्यापी छात्र विरोध प्रदर्शनों पर अपना पहला सार्वजनिक संबोधन 23 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था और बाद में इसे फेसबुक पर भी शेयर किया था। यह वीडियो फेसबुक पर कुछ समय के लिए हटा दिया गया था, जिसे बाद में बहाल कर दिया गया। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर 40 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कई मुद्दों को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान समाजवादी पार्टी के एक कार्यकर्ता को हिरासत में लिया गया।

तमिलनाडु के तंजावुर में बड़ा हादसा, घर में आग बुझाते समय फटा सिलिंडर; 10 लोग बुरी तरह घायल

तंजावुर (आरएनएस)। तमिलनाडु के तंजावुर में गुरुवार को एक घर में लगी आग को बुझाने की कोशिश के दौरान रसोई गैस सिलेंडर फटने से किशोरी समेत 10 लोग बुरी तरह घायल हो गए। सात की हालत गंभीर है।

यह घटना तड़के करीब दो बजे एक किसान मुरुगायन के घर में हुई। पड़ोसियों ने आग की लपटें देखीं। वे परिवार को बाहर निकालने और आग बुझाने के लिए दौड़े।

जब कई लोग आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे, तभी रसोई गैस सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। धमाके की चपेट में आकर मुरुगायन, उनकी बेटी अभिनया और आग बुझाने में मदद कर रहे कई पड़ोसी घायल हो गए।कुछ 80 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संग्रहालय निर्माण में पुरानी निर्माण पद्धति और गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीर भारत संग्रहालय जीर्णोद्धार कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में गुरूवार को कोठी महल स्थित निर्माणाधीन एवं प्रगतिरत वीर भारत संग्रहालय का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने जीर्णोद्धार कार्य में इस्तेमाल की जा रही निर्माण सामग्री (कंस्ट्रक्शन मटीरियल) का निरीक्षण किया और स्थल पर काम कर रहे श्रमिकों व कारीगरों से बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने निर्देश दिए कि रिनोवेशन में पुरानी एवं पारंपरिक निर्माण पद्धतियों का ही अनुसरण किया जाए, जिससे इमारत की मौलिकता बनी रहे। इसके साथ ही उन्होंने गुणवत्ता से कोई समझौता न करने की बात कही।वीर भारत संग्रहालय का जीर्णोद्धार कार्य उज्जैन स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत कराया जा रहा है। अवलोकन के दौरान दी धरोहर कंपनी की अधिकारी श्रीमती संगीता बैस ने मुख्यमंत्री को अब तक हुए जीर्णोद्धार कार्यों और वर्तमान प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संग्रहालय के ऐतिहासिक भवन की अधोसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और एजेंसी को निर्देश दिए कि भवन के ऐतिहासिक और पारंपरिक ढाँचे में किसी भी प्रकार का बदलाव न किया जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जीर्णोद्धार कार्य इस प्रकार किया जाए जिससे भवन का मूल स्वरूप, प्राचीन भव्यता और ऐतिहासिक पहचान पूरी तरह सुरक्षित रहे। निरीक्षण के दौरान विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष ओम जैन, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी, अध्यक्ष संजय अग्रवाल, एडीजी राकेश गुप्ता, संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, एसपी प्रदीप शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि वर्तमान में वीर भारत संग्रहालय के जीर्णोद्धार का फेस-1 (प्रथम चरण) का काम प्रगति पर है, जिसे जल्द ही फेस-2 में ले जाया जाएगा।

राष्ट्रीय सम्मान संशोधन विधेयक पारित, अब 'वंदे मातरम्' के अपमान पर भी होगी सजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद ने राष्ट्रीय सम्मान (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी है। राज्यसभा से पहले ही पारित हो चुके इस विधेयक को अब लोकसभा ने भी स्वीकृति दे दी है। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून लागू हो जाएगा। इसके तहत पहली बार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को भी राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के दायरे में शामिल किया जाएगा। संशोधन के बाद यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' या राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के गायन में बाधा उत्पन्न करता है या इनके सम्मान को ठेस पहुंचाने का प्रयास करता है, तो उसके खिलाफ अधिकतम तीन वर्ष के कारावास, जुर्माना या दोनों का प्रावधान होगा।सरकार का कहना है कि अब तक 1971 के कानून में राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रीय गान के सम्मान की रक्षा के लिए कानूनी प्रावधान थे, लेकिन राष्ट्रगीत के संबंध में ऐसा कोई स्पष्ट दंडात्मक प्रावधान नहीं था। इसी कमी को दूर करने के उद्देश्य से यह संशोधन लाया गया है।

छात्र आंदोलन पर अभिजीत दीपके का केंद्र पर हमला, गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

नई दिल्ली (ए.)। छत्रपति संभाजीनगर(आरएनएस)। नीट पेपर लीक के विरोध में 20 जुलाई को दिल्ली में आयोजित छात्र आंदोलन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी लगातार जारी है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग दोहराई। पत्रकारों से बातचीत में दीपके ने दावा किया कि जंतर-मंतर पर आयोजित आंदोलन शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में था। उनका आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग किया गया और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए जनता को भी आगे आना होगा। दीपके ने केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी संस्थाओं का उपयोग राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने न्यायपालिका और अन्य संस्थानों की निष्पक्षता को लेकर भी चिंता व्यक्त की।

सुप्रीम कोर्ट के दो अहम फैसलेः IIT छात्र के ट्रांसफर को मंजूरी, अभिषेक बनर्जी की याचिका पर 3 अगस्त को सुनवाई संभव

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को दो अलग-अलग मामलों में महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आए। एक मामले में अदालत ने मेडिकल आधार पर आईआईटी खड़गपुर के छात्र को आईआईटी रुड़की स्थानांतरित करने का निर्देश दिया, जबकि दूसरे मामले में तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने विदेश में इलाज की अनुमति नहीं मिलने के खिलाफ सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाया।

पहले मामले में सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और आर. महादेवन की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष अधिकारों का प्रयोग करते हुए आईआईटी खड़गपुर को एक सप्ताह के भीतर छात्र का ट्रांसफर/माइग्रेशन प्रमाणपत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज जारी करने का निर्देश दिया। छात्र बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्डर से पीड़ित है और वर्तमान में आर्किटेक्चर की पढ़ाई कर रहा है। याचिका में छात्र ने कहा था कि उसे विशेष चिकित्सीय उपचार और परिवार की देखरेख की आवश्यकता है, लेकिन ट्रांसफर नहीं मिलने के कारण उसका इलाज प्रभावित हो रहा है।

मप्र में मानसून के तीन मजबूत सिस्टम सक्रिय, आज 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश के ऊपर मानसून ट्रफ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और शियर जोन जैसे तीन मजबूत मौसम तंत्र सक्रिय हैं, जिनके प्रभाव से अगले चार दिनों तक विशेष रूप से मालवा-निमाड़ क्षेत्र में भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है।मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए उज्जैन और सागर संभाग सहित 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। कुछ क्षेत्रों में अगले 24 घंटे के दौरान 4 इंच से अधिक वर्षा होने का अनुमान है। धार, देवास, बुरहानपुर, हरदा और नर्मदापुरम जिलों में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं उज्जैन, शाजापुर, सीहोर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, रायसेन, सागर, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और सिवनी में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सतना सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग का कहना है कि वर्तमान मौसम प्रणाली 2 अगस्त तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान कई जिलों में लगातार तेज बारिश और कुछ स्थानों पर अति भारी वर्षा हो सकती है। बुधवार को रतलाम, बालाघाट, पचमढ़ी और भोपाल सहित कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई।विभाग के अनुसार अब तक प्रदेश में औसतन 14.1 इंच (359.3 मिमी) वर्षा दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि तक सामान्य रूप से 16.9 इंच (428.9 मिमी) बारिश होनी चाहिए थी। यानी प्रदेश में फिलहाल करीब 16 प्रतिशत वर्षा की कमी बनी हुई है। पूर्वी मध्य प्रदेश में 15 प्रतिशत और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 17 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि अगले कुछ दिनों तक होने वाली बारिश से इस कमी में काफी हद तक सुधार हो सकता है।

अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन को फर्जी पासपोर्ट मामले में 7 साल की सजा, सीबीआई कोर्ट ने सुनाया फैसला

नईदिल्ली (आरएनएस)। अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन को फर्जी पासपोर्ट मामले में 7 साल की सजा सुनाई गई है। CBI कोर्ट ने ये फैसला सुनाया है। चेन्नई में सीबीआई की विशेष अदालत ने अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन उर्फ विजया कदम, राजेंद्र और नाना को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट हासिल करने के मामले में 7 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 55 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

यह मामला 19 मार्च 2002 को दर्ज किया था। जांच में आरोप लगाया गया कि छोटा राजन ने रीजनल पासपोर्ट ऑफिस, चेन्नई को धोखा देकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाया था।जांच में सामने आया कि उसने विजया कदमनाम से पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था।

10 लाख का हीरा चुरा ले गया चूहा

तुमकुरु/कर्नाटक (आरएनएस)। कर्नाटक के तुमकुरु से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया. यहां एक ज्वेलरी शॉप से करीब 10 लाख रुपये के हीरे और सोने के गहने रातोंरात गायब हो गए. शुरुआत में दुकान मालिक को लगा कि किसी चोर ने वारदात को अंजाम दिया है, लेकिन जब सीसीटीवी फुटेज देखी गई तो असली 'चोर' को देखकर सभी दंग रह गए. फुटेज में एक चूहा गहनों को घसीटकर ले जाता हुआ दिखाई दिया.यह घटना तुमकुरु शहर के कैलटेक्स सर्किल के पास स्थित विश्वास ज्वेलरी शॉप की है. अगले दिन जब कर्मचारी दुकान पहुंचे तो करीब 50 ग्राम वजन के कई कीमती गहने गायब थे. इनमें हीरे जड़ी अंगूठियां, सोने के हार और अन्य आभूषण शामिल थे, जिनकी कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई.हैरानी की बात यह थी कि दुकान का शटर पूरी तरह सुरक्षित था और जबरन घुसने या चोरी के कोई निशान नहीं मिले।

दैनिक क्षितिज ✌ किरण

आवश्यकता है

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में

संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

योग्यता

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

किसानों की हर समस्या का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

केले की फसल को हुए नुकसान के लिए बुरहानपुर के किसानों को राहत राशि जारी
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के खातों में अंतरित किए 107 करोड़ 82 लाख रुपए

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान कल्याण का जो संकल्प राज्य सरकार ने लिया है, उसकी पूर्ति के लिए हम निरंतर सक्रिय हैं। किसानों की हर समस्या का समाधान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बुरहानपुर में मई और जून में मौसम की मार ने केले की फसल को बहुत नुकसान पहुंचाया। बुरहानपुर नगर, बुरहानपुर ग्रामीण, नेपानगर और खकनार तहसीलों के 188 गांवों के 8 हजार 115 किसानों की केले की फसल प्रभावित हुई है। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार कंधे से कंधा मिलाकर किसानों के साथ खड़ी है। आज प्राकृतिक आपदा से प्रभावित जिले के 8 हजार से अधिक किसानों के खातों में 107 करोड़ 72 लाख रुपये से अधिक की राहत राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जा रही है। यह राशि मुश्किल समय में किसानों को संबल देगी। जब तक किसानों के चेहरों पर दोबारा मुस्कान नहीं आ जाती, राज्य सरकार चैन से बैठने वाली नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को बुरहानपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केले की पैदावर में हुए नुकसान के लिए किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से मुआवजा राशि अंतरित की। बुरहानपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद ज्ञानेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस उपस्थित थीं। वीसी में बुरहानपुर से शामिल श्रीमती चिटनिस ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव को रक्षाबंधन पर बुरहानपुर से केले के रेशे से बनी राखी भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को पवित्र श्रावण मास की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि श्रावण मास में प्रदेश में जहां-जहां से कांवड़ यात्रा निकलने वाली हैं, वहां कांवड़ियों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कृषक कल्याण वर्ष 2026 में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि, सम्मान और कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को तेजी से पूरा कर रही हैं। उन्होंने आहवान किया कि किसान नई तकनीक को आत्मसात करें, प्राकृतिक खेती, जैविक खेती

और उद्यानिकी फसलों से अपनी आय बढ़ाएं। खेती से सभी प्रकार के उद्योगों के लिए कच्चा माल और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं। राज्य सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष के माध्यम से किसानों को लाभान्वित करने के लिए 16 विभागों के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार की है। किसानों की समृद्धि, उनकी आय दोगुनी करने के लिए जिलास्तर पर बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत मां अहिल्याबाई होल्कर की धरती इंदौर से की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती मैया के आशीर्वाद से बुरहानपुर क्षेत्र अपनी उद्यानिकी फसलों के लिए प्रसिद्ध है।

विश्व कढ़ाई दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा सृजनात्मकता एवं हस्तकला-कौशल का प्रदर्शन

भोपाल, (ए.) । उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के फैशन डिज़ाइन विभाग द्वारा विश्व कढ़ाई दिवस (World Embroidery Day) के उपलक्ष्य में गुरुवार को एक गरिमामय एवं सृजनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थियों ने 'ओशन एंड मरीन लाइफ (Ocean and Marine Life)Ó विषय पर आधारित हस्त-कढ़ाई (हैंड एंब्रॉयडरी) की आकर्षक एवं कलात्मक कृतियों का सृजन कर अपनी मौलिक सोच, रचनात्मक प्रतिभा तथा उत्कृष्ट हस्तकला-कौशल का प्रभावशाली परिचय दिया। विद्यार्थियों द्वारा निर्मित इन उत्कृष्ट कृतियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शित कलाकृतियों का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों की सृजनशीलता, कलात्मक अभिव्यक्ति एवं तकनीकी दक्षता की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता को समृद्ध करने के साथ-साथ भारतीय हस्तकला एवं पारंपरिक कढ़ाई कला के संरक्षण, संवर्धन तथा नवाचार को भी सुदृढ़ आधार प्रदान करती हैं।

भोपाल शहर में एसी ई-बसों का संचालन शुरु, 10 बसों को तीन प्रमुख मार्गो पर उतारा

भोपाल, (ए.) । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की सड़कों पर गुरुवार से एसी ई-बसों का संचालन शुरू हो गया है। ट्रायल रन पूरा होने के बाद प्रथम चरण में 10 बसों को तीन प्रमुख मार्गों पर उतारा गया है। इन ई-बसों का किराया लाल बसों के समान (रू. 7 से रू .40) रखा गया है, जिससे आम यात्रियों को बिना अतिरिक्त आर्थिक बोझ के आरामदायक और प्रदूषण मुक्त सफर की सुविधा मिलेगी।

भोपाल में शुरुआत में ई-बसों को तीन व्यस्त रूटों पर चलाया जा रहा है। इनमें चिरायु अस्पताल से डीबी मॉल मेट्रो स्टेशन (वाया बैरागढ़-चिचली), चिरायु अस्पताल से डीबी मॉल मेट्रो स्टेशन और डीबी मॉल से कोच फैक्टरी मार्ग शामिल हैं। कोलार से एमपी नगर के बीच भी यात्रियों को एसी सफर की सुविधा मिलने लगी है। नई ई-बसों में दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से हाइड्रोलिक डोर और दो व्हीलचेयर खड़ी करने के लिए स्थान दिया गया है। इसके अलावा सुरक्षा के लिहाज से प्रत्येक बस में 6 सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस और पैनिक बटन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।वर्तमान में भोपाल की सड़कों पर चल रही 12 मीटर लंबी सिटी बसों की तुलना में नई ई-बसों की लंबाई 9 मीटर और चौड़ाई 3.5 मीटर है। आकार में छोटी होने के कारण ये बसें शहर के तंग रास्तों और ट्रैफिक वाले इलाकों से आसानी से निकल सकेंगी। नगर निगम के अनुसार, बसों का संचालन रोजाना दो शिफ्टों में किया जाएगा। पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगी। बसें शहर में बने मौजूदा बस स्टॉप्स पर ही रुकेंगी निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और एमआईसी मेंबर मनोज राठौर ने बताया कि भोपाल में अब तक कुल 30 इलेक्ट्रिक बसें पहुंच चुकी हैं, जबकि आगामी 10 से 12 दिनों में 20 और बसें आने की उम्मीद है।

निर्देशों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं, लापरवाही पर होगी कार्रवाई : मंत्री श्री सिंह

लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं की कॉन्फ्रेंस हुई

भोपाल (निप्र)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि विभागीय निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, वित्तीय अनुशासन एवं जवाबदेही से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। मंत्री एवं प्रमुख सचिव स्तर से दिए गए निर्देशों का निर्धारित समय-सीमा में पालन करना प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है। निर्देशों की अनदेखी

करने, प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जिस क्षेत्र में सड़क खराब पाई जाएगी, वहां जिम्मेदारी तय की जाएगी। सड़कों के रखरखाव, समय पर मरम्मत तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित कार्यपालन यंत्री की होगी। लापरवाही के कारण सड़क खराब होने अथवा वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त सड़क की समय पर मरम्मत नहीं किए जाने पर संबंधित कार्यपालन यंत्री के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह की अध्यक्षता में वल्लभ भवन में आयोजित मुख्य अभियंता कॉन्फ्रेंस में विभागीय निर्माण कार्यों, औचक निरीक्षणों पर की गई कार्रवाई, बिटुमेन की आपूर्ति एवं देयकों के सत्यापन, सड़कों की गुणवत्ता, लोक कल्याण सरोवरों, प्रशिक्षण व्यवस्था तथा विभागीय निर्देशों के पालन की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण सुखवीर सिंह, एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक भरत यादव, एमपीबीडीसी के प्रबंध संचालक सीबी चक्रवर्ती एम., प्रमुख अभियंता तथा सभी मुख्य अभियंता उपस्थित रहे। मंत्री श्री सिंह ने औचक निरीक्षणों के अंतर्गत पाई गई अनियमितताओं पर की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए पूछा कि दोषी पाए गए कितने ठेकेदारों को अब तक ब्लैकलिस्ट किया गया है। कुछ मुख्य अभियंताओं द्वारा ठेकेदारों की ब्लैकलिस्टिंग कार्रवाई लंबित रखे जाने पर नाराजगी व्यक्त की।

न्यू मार्केट में महिला चालकों के लिए आरक्षित रहे पिंक पार्किंग, महापौर ने दिए व्यवस्था सुधार के निर्देश

भोपाल (निप्र.)। भोपाल की महापौर मालती राय ने न्यू मार्केट स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के ग्राउंड फ्लोर पर विकसित पिंक पार्किंग में केवल महिला वाहन चालकों के वाहन ही पार्क कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पार्किंग परिसर की स्वच्छता, यातायात व्यवस्था और सौंदर्यीकरण से जुड़े विभिन्न कार्यों को भी प्राथमिकता से पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।महापौर ने गुरुवार को न्यू मार्केट स्थित मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राउंड फ्लोर पर बनाई गई पिंक पार्किंग सहित अन्य तल पर पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया और नगर निगम अधिकारियों के साथ स्थानीय व्यापारियों से भी चर्चा की।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पिंक पार्किंग का उपयोग केवल महिला वाहन चालकों के लिए सुनिश्चित करने, अन्य तलों पर वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग कराने तथा महिला एवं पुरुष शौचालयों की नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

भारतीय दृष्टिकोण से जनजातीय अध्ययन को मिलेगी नई दिशा, विश्वविद्यालयों में सशक्त होंगे शोध एवं पाठ्यक्रम : उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वन संपदा संरक्षण तक, राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय

भोपाल (निप्र)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि जनजातीय समाज केवल भारत की सांस्कृतिक पहचान ही नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता का जीवंत संरक्षक है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम, वन क्षेत्रों की सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा भारतीय ज्ञान परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखने में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय रहा है। आवश्यकता है उनके इतिहास, ज्ञान, संस्कृति और जीवन-दर्शन को भारतीय दृष्टिकोण से शोध एवं शिक्षा की मुख्यधारा में प्रतिष्ठित किया जाए। मंत्री श्री परमार गुरुवार को पलाश रेसीडेंसी स्थित सभागार में मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा जनजातीय अध्ययन संबंधी पाठ्यक्रम के विकास विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि लंबे समय तक जनजातीय समाज पर हुआ अधिकांश लेखन औपनिवेशिक दृष्टिकोण से प्रभावित रहा, जिसके कारण अनेक भ्रांतियाँ और गलत धारणाएँ स्थापित हुईं। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में जनजातीय अध्ययन को नए सिरे से परिभाषित करते हुए उनके वास्तविक इतिहास, सांस्कृतिक वैभव, पारंपरिक ज्ञान और जीवन मूल्यों का प्रमाणिक दस्तावेजीकरण किया जाए। सभी को जनजातीय समाज के योगदान के राष्ट्रीय महत्व को समझने की आवश्यकता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षा को भारतीयता से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसी भावना के अनुरूप विश्वविद्यालयों में ट्राइबल स्टडीज़ (Tribal Studies) के अंतर्गत रोजगारोन्मुखी, शोधपरक एवं बहुआयामी पाठ्यक्रम विकसित किए जाएँ, जिन्हें यूजीसी, यूपीएससी एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यकताओं से भी जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि जनजातीय अध्ययन के लिए पृथक अध्ययन केंद्र, उत्कृष्ट शोध, नवाचार और विषय विशेषज्ञों का सशक्त नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को जनजातीय अंचलों में जाकर स्थानीय समाज के बीच अध्ययन करना चाहिए तथा उनकी भाषा, लोक परंपराओं, कृषि पद्धतियों, लोक चिकित्सा, पर्यावरण संरक्षण, लोक कला और जीवन शैली का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण करना चाहिए। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से ही जनजातीय समाज के विकास का स्थायी मॉडल तैयार किया जा सकता है।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 224 करोड़ 75 लाख रुपये की राशि जारी

भोपाल(निप्र)। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य को सुदृढ़ वित्तीय संबल प्रदान करने के ध्येय से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 224 करोड़ 75 लाख रुपये की राशि स्वीकृत एवं जारी की गई है। इस जनकल्याणकारी पहल के माध्यम से राज्य के विद्यालयों में कक्षा 9वीं एवं 10वीं में अध्ययनरत पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को समयबद्ध रूप से छात्रवृत्ति का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनकी शैक्षणिक यात्रा में किसी प्रकार की आर्थिक बाधा उत्पन्न न हो।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई

विगत तीन दिनों में 25 लाख रुपये से अधिक के मादक पदार्थ एवं वाहन जब्त

भोपाल(निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इसी के साथ मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार, तस्करी और मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला में शामिल आरोपियों के विरुद्ध भी लगातार सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत तीन दिनों में विभिन्न जिलों में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 25 लाख रूपए

से अधिक के मादक पदार्थ वाहन, हथियार एवं अन्य सामग्री जब्त करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। थाना सीतामऊ पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नाकाबंदी कर एक बिना नंबर की स्विफ्ट कार से 193 किलो 920 ग्राम डोडाचूरा बरामद कर 8 लाख 87 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है। साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार कियाहै। वहीं थाना भानपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 170 ग्राम एमडीएमए एवं 4.5 किलोग्राम डोडाचूरा सहित लगभग 1 लाख 88 हजार रुपये की संपत्ति जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने थाना कोतवाली क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 80 ग्राम ब्राउन शुगर अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मक्सी थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 4 लाख 80 हजार रुपये कीमत की अवैध स्मैक बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

लोकतंत्र की मजबूती में जनता की सक्रिय भागीदारी सबसे बड़ी शक्ति : हेमंत खंडेलवाल

भोपाल/दतिया,(ए.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गुरुवार को दतिया विधानसभा उपचुनाव में उत्साहपूर्वक मतदान करने वाले मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दतिया की जागरूक जनता ने बड़ी संख्या में मतदान कर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था और विश्वास का परिचय दिया है।हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत का महत्वपूर्ण स्थान होता है और मतदाताओं ने अपने मताधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत बनाने का संदेश दिया है। उन्होंने युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी की भी सराहना करते हुए कहा कि सभी वर्गों की सहभागिता लोकतंत्र को सशक्त बनाती है।भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि मतदाताओं ने प्रदेश के विकास, सुशासन और जनकल्याण को ध्यान में रखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है और जनता का निर्णय सर्वोच्च एवं सर्वमान्य होता है। हेमंत खंडेलवाल ने शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग, जिला निर्वाचन प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सुरक्षा बलों, मतदान दलों तथा चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

आदिवासी अधिकारों के संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए बनेगी कार्ययोजना : उमंग सिंघार

कांग्रेस की नवगठित समिति की पहली बैठक में जल, जंगल, जमीन, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर मंथन

भोपाल (ए) । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित मध्य प्रदेश आदिवासी अधिकार, संरक्षण एवं सशक्तिकरण समिति की पहली बैठक गुरुवार को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में नेता प्रतिपक्ष एवं समिति अध्यक्ष उमंग सिंघार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आदिवासी समाज से जुड़े सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और संवैधानिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में आदिवासी समुदाय के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, जल, जंगल और जमीन पर अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आजीविका तथा समग्र विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। समिति ने इन मुद्दों पर व्यापक अध्ययन कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा प्रदेशभर में आदिवासी समाज के हितों की रक्षा और सशक्तिकरण के लिए संगठित प्रयास करने का निर्णय लिया। बैठक को संबोधित करते हुए उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी समाज के अधिकारों, सम्मान और संवैधानिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समिति प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आदिवासी समुदाय से जुड़े मुद्दों का अध्ययन कर उन्हें सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाएगी और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेगी।बैठक में यह भी तय किया गया कि समिति प्रदेशभर में आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर तथ्यात्मक जानकारी एकत्र करेगी तथा चरणबद्ध तरीके से जनसंवाद और अध्ययन कार्यक्रम आयोजित करेगी, ताकि समस्याओं के समाधान के लिए ठोस और व्यवहारिक रणनीति तैयार की जा सके। बैठक में समिति के सदस्य विक्रांत भूरिया, बाला बच्चन, ओमकार सिंह मरकाम, फूंदेलाल मार्को, झूमा सोलंकी, संजय उइके, सुनील उइके और डॉ. अशोक मर्सकोले मौजूद रहे। सदस्यों ने आदिवासी समाज के अधिकारों के संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए समन्वित एवं प्रभावी पहल की आवश्यकता पर जोर देते हुए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान की नवीन तकनीकों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाए : कलेक्टर प्रियंक मिश्रा

खेती की जरूरतों एवं आवश्यकताओ के अनुरूप उपकरण एवं यंत्रों का आविष्कार करें वैज्ञानिक

भोपाल (ए) । कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने गुरुवार को भोपाल आईसीएआर - केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (ICAR-CIAE) में आधुनिक कृषि तकनीकों के विकास में कृषि वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए खेती के नए उपकरणों और ड्रोन टेक्नोलॉजी फ्रेंडली मशीनों के प्रोटोटाइप का अवलोकन किया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर सी. आर.मेहता सहित वैज्ञानिक एवं कृषि अभियांत्रिकी के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आईसीएआर के सभागार में भोपाल के कृषि विभाग एवं उससे सम्बद्ध विभागों की समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने समीक्षा करते हुए बैठक का थीम कृषि कार्यों में नई - नई तकनीकों के माध्यम से किसानों की मेहनत को कम करने और स्मार्ट खेती के माध्यम से अधिक पैदावार की दिशा में कार्य करने के लिए किसानों के FPO और कृषि विभाग को नई - नई तकनीकों का उपयोग अमल में लाने एवं कृषि अभियांत्रिकी संस्थान को नवीन तकनीकों का अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने की दिशा में काम करने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग की समीक्षा करते हुए टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान और योजनाओं की प्रगति पर में गति लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मैदानी स्तर पर माइक्रो मैनेजमेंट के माध्यम से लक्ष्य पूर्ण करने के भी निर्देश दिए।कलेक्टर श्री मिश्रा ने उप संचालक पशुपालन विभाग को पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान और समय पर टीकाकरण के लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मैदानी मॉनिटरिंग अधिकारियों को कार्यालयों से बाहर निकलकर पशुपालकों से सीधा संपर्क रखने को भी कहा है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि आधुनिक उद्यानिकी के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने के लिए किसानों को पारंपरिक खेती से अलग प्रकृतिक एवं जैविक खेती के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों की सफलता को प्रोत्साहित करें और उनके लिए प्रसंस्करण और विपणन की दिशा में कार्य करें। उद्यानिकी विभाग की मृदा स्कीम के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को फूलों, फलों और औषधि की उच्चतम तकनीकी और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

रिटायरमेंट से एक दिन पहले रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए नगर निगम के कार्यपालन यंत्री

36 लाख रुपये के बिल भुगतान के एवज में मांगा था कमीशन

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर नगर निगम में गुरुवार को लोकायुक्त पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जलकार्य विभाग के कार्यपालन यंत्री (ईई) सुशील कटारे को 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। खास बात यह है कि आरोपी अधिकारी 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले थे और उनकी विदाई से महज एक दिन पहले यह कार्रवाई हुई।लोकायुक्त के अनुसार, नगर निगम के ठेकेदार सचिन पचौरी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके लगभग 36 लाख रुपये के लंबित बिल के भुगतान की फाइल आगे बढ़ाने के लिए कार्यपालन यंत्री ने एक प्रतिशत कमीशन की मांग की थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी पहले ही 30 हजार रुपये ले चुका था, जबकि शेष 6 हजार रुपये गुरुवार को लेने थे। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त पुलिस ने ट्रैप की योजना बनाई। तय योजना के तहत जैसे ही ठेकेदार ने नगर निगम कार्यालय में आरोपी को 6 हजार रुपये दिए, पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान रासायनिक परीक्षण में भी रिश्वत लेने की पुष्टि हुई। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा-7 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक निरंजन शर्मा ने बताया कि ठेकेदार से बिल भुगतान के एवज में कमीशन मांगने की शिकायत मिली थी। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर ट्रैप कार्रवाई की गई, जिसमें आरोपी अधिकारी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया।

भिंड में दो डंपरों की आमने-सामने भिड़ंत, चालक केबिन में फंसा, ओवरटेक के दौरान हुआ हादसा

भिंड, (ए.)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के मेहगांव थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के नेशनल हाईवे-719 पर दो डंपरों की आमने-सामने भिड़ंत में एक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक डंपर के स्टेयरिंग और बोनट के बीच बुरी तरह फंस गया। सूचना मिलते ही पुलिस, डायल-112 और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।पुलिस के अनुसार, हादसा गुरुवार सुबह करीब चार बजे जैतपुरा के पास हुआ। डंपर क्रमांक एमपी-07 एएन-6216 का चालक तहसीलदार जाटव, निवासी नगरा वीरवाल (उदी मोड़), सामने चल रहे डंपर एचआर-35 बीए-9666 को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान कट लगने से दोनों डंपरों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में वीर भारत संग्रहालय के जीर्णोद्धार कार्यों का अवलोकन किया।

सैनिक विश्राम गृह बैतूल में एसी डॉर्मिटरी का शुभारंभ

पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों को कम दर पर मिलेगी सुविधा

बैतूल (ए.)। पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सैनिक विश्राम गृह बैतूल में संचालक सैनिक कल्याण म.प्र. भोपाल के निर्देश पर एसी डॉर्मिटरी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कैप्टेन (नौसेना) सुमीत सिंह (से.नि) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने कहा कि सैनिक विश्राम गृह का मुख्य उद्देश्य उन पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनों को कम दर पर आरामदायक आवास सुविधा प्रदान करना है, जो विभिन्न सरकारी कार्यों, उपचार अथवा अन्य आवश्यकताओं से बैतूल आते हैं। इस ए.सी. डॉर्मिटरी के शुरू होने से अब पूर्व सैनिकों को गर्मी के मौसम में भी सुलभ एवं किफायती आवास मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सैनिक कल्याण विभाग का प्रयास है कि पूर्व सैनिकों के मान-सम्मान के अनुरूप उन्हें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। यह ए.सी. डॉर्मिटरी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, कर्मचारीगण एवं पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

चोरी के शक में भीड़ बनी जज, हाथ-पैर बांधकर दी तालिबानी सजा, वीडियो वायरल हुआ तो जांच में जुटी पुलिस

इंदौर (ए.)। कानून को हाथ में लेने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। स्वच्छ शहर की पहचान रखने वाले इंदौर में कुछ लोगों ने चोरी के संदेह में दो युवकों को ऐसी सजा दी, जिसने इंसानियत और कानून दोनों पर सवाल खड़े कर दिए। अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र के केशरबाग रेलवे ब्रिज के पास दो युवकों के हाथ-पैर बांधकर उन्हें रेलवे ट्रैक किनारे बेरहमी से पीटा गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि चोरी के संदेह में भी किसी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दो युवकों के हाथ-पैर बांध दिए गए हैं और कुछ लोग उन्हें रेलवे ट्रैक के पास लात-घूंसों और डंडों से पीट रहे हैं।

चोरी के आरोप में मारपीट

जानकारी के मुताबिक, दोनों युवकों पर इलाके के एक मकान में चोरी की नीयत से घुसने का आरोप है। घर में मौजूद महिला के शोर मचाने पर दोनों भागने लगे, लेकिन स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को बुलाने के बजाय भीड़ ने खुद ही फैसला सुनाया और दोनों को केशरबाग रेलवे ब्रिज के पास ले जाकर बंधक बनाकर मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अन्नपूर्णा थाना पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने वीडियो के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और मारपीट करने वाले लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस का साफ कहना है कि यदि किसी पर चोरी का संदेह भी हो, तब भी उसे सजा देने का अधिकार केवल कानून को है। कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।एडिशनल डीसीपी, इंदौर पुलिस, राजेश दंडोतिया ने बताया कि वीडियो की पहचान की गई है। वह थाना अन्नपूर्णा क्षेत्र का है। लड़कों की भी पहचान कर ली गई है। हालांकि, जो लोग पिट रहे हैं, उनके चोरी के आपराधिक रिकॉर्ड है, लेकिन जिस तरह से जो मारपीट की जा रही है, वो किसी हालत में ये गैरकानूनी है। इसमें एफआईआर भी रजिस्टर की जा रही है। जिन लोगों ने मारपीट की है, उनके खिलाफ एक्शन लिया जा रहा है। अब इनसे पूछताछ में जो भी सामने आएगा उसके आधार कारवाई की जाएगी।

जबलपुर में मानसून ने फिर पकड़ी रफ्तार, मौसम विभाग ने बताया अगले कुछ दिनों तक होगी अच्छी

जबलपुर (ए.)। मानसून के दोबारा सक्रिय होने के साथ ही जबलपुर में बारिश का सिलसिला फिर (MP Weather Update) शुरू हो गया है। बुधवार को सुबह से दिनभर रुक-रुककर कहीं रिमझिम तो कहीं झमाझम बारिश होती रही। हालांकि मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार सुबह से रात नौ बजे तक केवल चार मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके बावजूद मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि सक्रिय मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से आने वाले दिनों में जिले और संभाग में अच्छी बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार मध्य छत्तीसगढ़ एवं उससे लगे उत्तर आंतरिक ओडिशा के ऊपर बना गहरा अवदाब पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। यह प्रणाली मध्य छत्तीसगढ़ के निकट केंद्रित रही और बिलासपुर से लगभग 30 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व तथा चांपा क्षेत्र से गुजरते हुए अगले 24 घंटों में पश्चिम की ओर बढ़ेगी। इसके छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे लगे विदर्भ क्षेत्र से गुजरने की संभावना है। इसी के प्रभाव से जबलपुर सहित संभाग के जिलों में अगले कुछ दिनों तक मध्यम से अच्छी बारिश होने के आसार हैं। मानसून सीजन में जिले में अब तक कुल 310 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। वहीं पिछले वर्ष इसी अवधि तक 711.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई थी। बुधवार को अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जिले में नगरपालिकाओं और पंचायतों की अंतिम मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन

जबलपुर (ए.)। जिले में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत नगरपालिकाओं और पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। इस संबंध में कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राघवेंद्र सिंह और अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूचियों की प्रतियां भी प्रदान की गईं। बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी विंकी सिंहमारे व डिप्टी कलेक्टर द्वारा अवगत कराया गया कि जिले की 7 जनपद पंचायतों की 527 ग्राम पंचायतों के 1472 मतदान केंद्रों में अब कुल 7,77,801 मतदाता हैं, जिनमें 3,96,476 पुरुष और 3,81,299 महिला मतदाता शामिल हैं। इसी तरह जिले के 9 नगरीय निकायों के 202 वार्डों से संबंधित 1364 मतदान केंद्रों में मतदाताओं की कुल संख्या 9,86,949 हो गई है, जिनमें 5,02,078 पुरुष और 4,84,818 महिला मतदाता दर्ज किए गए हैं।आयोजित बैठक में भारतीय जनता पार्टी से योगेन्द्र सिंह राजपूत और ओम दुबे, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से रुकमणी गोठिया एवं फिरोज ठाकरे, बहुजन समाज पार्टी से सुरेश वंशकार, छिदामी लाल और विनोद कुमार, तथा आम आदमी पार्टी से आदेश दुबे, धर्मदास, मनोज सैनी और सौरभ निगम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

व्यापार समाचार

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 274 अंक उछला, फिर भी निवेशकों ने गंवाए 1.63 लाख करोड़

मुंबई(ए.)- वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच गुरुवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिली है।बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 273.55 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़कर 77,928.15 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 66.95 अंक यानी 0.28 प्रतिशत बढ़कर 24,317.15 पर बंद हुआ।

प्रमुख सूचकांकों की तुलना में व्यापक सूचकांकों का प्रदर्शन कमजोर रहा, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.35 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी ऑटो शीर्ष लाभ कमाने वाला इंडेक्स बनकर उभरा, जिसमें 1.63 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके साथ ही, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी सूचकांक सबसे अधिक गिरावट दर्ज करने वाला रहा, जिसमें 2 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी

एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फार्मा इंडेक्स में भी गिरावट देखने को मिली।

निवेशकों के 1.54 हजार करोड़ स्वाहा

एक कारोबारी दिन पहले यानी 29 जुलाई 2026 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 4,84,76,601.67 करोड़ था। आज यानी 30 जुलाई 2026 को यह घटकर 4,83,22,238.50 करोड़ रह गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी में आज 1,54,363.16 करोड़ की गिरावट आई है।

निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एम एंड एम, कोल इंडिया, आइशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, टीएमपीवी और विप्रो शामिल थे, जबकि नुकसान उठाने वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और इंडिगो शामिल थे। एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को यथावत रखने का फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा, लेकिन महंगाई पर लगातार सख्त रुख बनाए रखने के कारण उसका रुख (हॉकिश स्टैंड) बरकरार रहा।

अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में तेज बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि निकट भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना को लेकर दबाव बढ़ रहा है, जिससे वैश्विक निवेशकों की चिंता बनी हुई है। वहीं, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में फिर से उतार-चढ़ाव ने वैश्विक अनिश्चितता को और बढ़ा दिया।

एक्सपर्ट ने आगे कहा कि इन वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता रहा और दिन भर तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। निवेशक एक ओर वैश्विक जोखिमों का आकलन करते रहे, वहीं दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियादी स्थिति ने बाजार को सहारा दिया।

इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बढ़ती खरीदारी, रुपए में मजबूती और वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के उत्साहजनक नतीजों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। यही वजह रही कि बाजार में गिरावट आने पर निवेशकों ने उसे चुनिंदा शेयरों में खरीदारी का अवसर माना।

एक ही कंबल के अंदर ट्रेन में सोए दो यात्री, भारतीय रेलवे पर लगा 25000 का जुर्माना

नई दिल्ली(ए.)। अगर आप भी रेलवे में RAC (Reservation Against Cancellation) टिकट पर यात्रा करते हैं, तो यह फैसला आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। दिल्ली उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक मामले में भारतीय रेलवे को सेवा में लापरवाही का दोषी ठहराते हुए 25 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।मामला अक्टूबर 2022 का है, जब एक यात्री ने प्रयागराज से नई दिल्ली तक की यात्रा के लिए RAC टिकट पर सफर किया था। त्रुष्ट होने के कारण उसे अपनी सीट दूसरे यात्री के साथ साझा करनी पड़ी। शिकायत के अनुसार, ट्रेन अटेंडेंट ने दोनों यात्रियों को पूरी यात्रा के लिए केवल एक कंबल, एक तकिया और दो बेडशीट उपलब्ध कराईं। यात्री ने अलग कंबल और तकिया देने की मांग की, लेकिन अटेंडेंट ने रेलवे के नियमों का हवाला देते हुए अतिरिक्त सामान देने से इनकार कर दिया। बाद में यात्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर रेलवे से शिकायत की। शिकायत के बाद भी अतिरिक्त कंबल देने के बजाय उसे केवल एक तौलिया थमा दिया गया। इतना ही नहीं, यात्री का आरोप है कि टीटीई ने शिकायत दर्ज करने के लिए कंप्लेंट बुक भी उपलब्ध नहीं कराई। नई दिल्ली पहुंचने के बाद यात्री ने लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की सुनवाई के दौरान रेलवे ने अपने बचाव में कहा कि बेडरोल तय नियमों के अनुसार दिया जाता है और अतिरिक्त कंबल उपलब्धता के आधार पर ही दिए जाते हैं। साथ ही रेलवे ने यह भी दलील दी कि यह मामला दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। हालांकि, उपभोक्ता आयोग की जांच में सामने आया कि लिनन सेवा देने वाली ठेका कंपनी पर नियमों के उल्लंघन के लिए पहले ही 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका था। आयोग ने माना कि रेलवे ने इस कार्रवाई की जानकारी शिकायतकर्ता को नहीं दी और न ही उसकी असुविधा के लिए कोई मुआवजा दिया। आयोग ने अपने फैसले में कहा कि रेलवे के नियमों के अनुसार एसी श्रेणी (एसी चेयर कार को छोड़कर) में RAC यात्रियों से भी बेडरोल शुल्क लिया जाता है। ऐसे में उन्हें अलग से कंबल और अन्य आवश्यक बेडरोल सुविधाएं उपलब्ध कराना रेलवे की जिम्मेदारी है।

एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज की स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री

नई दिल्ली, (ए.)। मध्य प्रदेश की आईटी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर कंपनी एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 127 रुपये के भाव पर

जारी किए गए थे। आज बीएसई के पर इसकी लिस्टिंग 2.44 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 130.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 4.72 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 136 रुपये के स्तर पर हुई।लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 136.90 रुपये के स्तर तक पहुंचे। इसी तरह बिकवाली होने पर ये शेयर 123.60 रुपये के स्तर तक लुढ़क भी गए। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद ये शेयर बीएसई पर 2.20 रुपये यानी 1.73 प्रतिशत के नुकसान के साथ 124.80 रुपये के स्तर पर और निफ्टी पर 2.20 रुपये यानी 1.73 प्रतिशत के फायदे के साथ 129.20 रुपये के स्तर पर बंद हुए। एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज का 166.80 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 27 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 8.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 26.56 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 8.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

यूनियन बैंक में 395 पदों पर निकली भर्ती, जानें योग्यता से लेकर सैलरी तक पूरी डिटेल

मुंबई(ए)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने खास क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले अधिकारी, जनरल बैंकिंग अधिकारी और स्पेशलिस्ट अधिकारी के कुल 395 पदों पर नियमित आधार पर भर्ती के लिए उम्मीदवारों से आवेदन एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर आमंत्रित किए हैं।कैडर के आधार पर बैंक की ओर से जारी 395 रिक्तियों में मैनेजर के 163, सीनियर मैनेजर के 153, चीफ मैनेजर के 52, असिस्टेंट जनरल मैनेजर के 20 और डिप्टी जनरल मैनेजर के 7 पद शामिल हैं। यूनियन बैंक की ओर से जारी इन सभी रिक्तियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 21 जुलाई से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त तय की गई है। ऐसे में एप्लीकेशन फॉर्म भरने के पात्र और इच्छुक उम्मीदवार बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं।आवेदकों की न्यूनतम आयु पद के

अनुसार 22 से 25 वर्ष और अधिकतम आयु 30 से 50 वर्ष के बीच तय की गई है, जिसकी गणना 1 जुलाई के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। इन रिक्तियों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से संबंधित पोस्ट के अनुसार ग्रेजुएशन, बीई/बीटेक या एमसीए, बीकॉम/बीई/बीटेक/बीसीए या सीए/सीएमए (आईसीएमएआई)/सीएस, आदि होनी चाहिए।

योग्य अभ्यर्थियों का चयन ऑनलाइन परीक्षा/टेस्ट, समूह चर्चा (जीडी), व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई), आदि चरणों के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी कैडर के अनुसार 64,820 से 1,56,500 रुपए के बीच प्रति माह होगी। एप्लीकेशन फॉर्म भरते समय उम्मीदवारों को अपने वर्ग अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा, जो जनरल/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस के लिए 1,180 रुपए और एससी/एसटी/पीडब्लूएस श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स के लिए 177 रुपए तय किया गया है। कैंडिडेट्स को पद, योग्यता, आयु सीमा, आदि से जुड़ी ज्यादा जानकारी के लिए यूनियन बैंक की ओर से संबंधित पोस्ट के लिए जारी विस्तृत नोटिफिकेशन को चेक करने की सलाह दी जाती है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

दुष्परिणामों से त्रस्त यात्रियों

हितों के टकराव को रोकने के लिए यह नियम बनाया गया था। लेकिन अब अडानी समूह ने एयरलाइन क्षेत्र में उतरने की योजना बनाई है, तो वर्तमान सरकार प्रतिबंध पर पुनर्विचार के लिए तैयार हो गई है।

साल 2006 में जब तत्कालीन केंद्र सरकार ने दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों को निजी हाथ में देने का निर्णय लिया, तो उसके साथ यह नियम तय किया गया था कि एयरपोर्ट संचालक किसी कंपनी को विमान सेवा चलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। हितों के टकराव को रोकने के लिए तब ये नियम जरूरी समझा गया। लेकिन अब चूंकि अडानी समूह ने एयरलाइन क्षेत्र में उतरने की योजना बनाई है, तो वर्तमान सरकार इस प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने को तैयार हो गई है। इससे एयरलाइन पर दबदबा कायम कर चुकीं कंपनियों का परेशान होना लाजिमी है। उनमें से एक- इंडिगो- के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने सरकार के बदलते रुख पर खुलेआम एतराज जताया है।

उनका तर्क है कि जब एक ही समूह हवाई अड्डे का संचालन करता हो और एयरलाइन भी चलाता हो, तो स्लॉट आवंटन, पार्किंग बे, टर्मिनल एक्सेस, और एयरपोर्ट शुल्कों में उसकी एयरलाइन को तरजीह मिलने की आशंका रहती है। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई बड़ा उदाहरण नहीं है, जहां एयरपोर्ट ऑपरेटर को एयरलाइंस चलाने या उनमें बड़ी हिस्सेदारी रखने की छूट हो। उनके मुताबिक दीर्घकाल में यह व्यवस्था प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी, जिसका नुकसान अंततः हवाई यात्रियों को ही होगा। दरअसल, इन्हीं बातों के मद्देनजर 20 साल पहले उपरोक्त नियम बना था।

लेकिन आज दौर अलग है। यह सोचना भी कठिन है कि अडानी समूह कुछ करना चाहे और वर्तमान सरकार उसमें सहायक ना बने! बहरहाल, यह इस मसले का सिर्फ एक पहलू है। दूसरा पहलू एयरलाइन क्षेत्र में पहले ही कायम हो चुका द्वि-अधिकार (ड्यूओपॉली) है। इसका खामियाजा भारतीय विमान यात्री लगातार भुगत रहे हैं। अडानी समूह को इजाजत मिली, तो यात्रियों को तो शायद ही कोई राहत मिले- हां, उससे कॉरपोरेट टकराव जरूर खड़ा होगा। किंगफिशर, जेट एयरवेज, गो एयर आदि जैसी अनेक एयरलाइंस ढह गईं, तो वजह इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और सीमित उपभोक्ता आधार है। अडानी जैसे बड़े ग्रुप के आने से इंडिगो और एयर इंडिया के मुनाफे में जरूर सेंध लगेगी। मगर उससे कारोबार संकेंद्रण के दुष्परिणामों से त्रस्त यात्रियों को राहत मिलने की शायद ही कोई संभावना है।

भारत में बड़ी संख्या में इंजीनियर, प्रोफेशनल और ग्रेजुएट तैयार होने व रोजगार उपलब्धि में भारी गैप

रोजगार, शिक्षा और प्रशासन की बड़ी नई चुनौती -समग्र व्यापक विश्लेषण

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी,

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर वर्ष 2026 में भारत एक ऐसे ऐतिहासिक परिवर्तनकाल से गुजर रहा है,जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, डिजिटल अर्थव्यवस्था,साइबर सुरक्षा,हरित प्रौद्योगिकी और डेटा- आधारित शासन ने शिक्षा,रोजगार, उद्योग तथा प्रशासन की पारंपरिक संरचनाओं को तेजी से बदलना शुरू कर दिया है। आज देश और विश्व में बड़ी संख्या में इंजीनियर, वकील, डॉक्टर,प्रबंधन विशेषज्ञ, तकनीकी पेशेवर तथा विभिन्न विषयों के स्नातक तैयार हो रहे हैं,लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि डिग्री प्राप्त करने और रोजगार के लिए वास्तव में सक्षम बनने के बीच एक गंभीर अंतर दिखाई देता है। अनेक युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल,तकनीकी दक्षता, समस्या- समाधान क्षमता,संवाद- कौशल टीमवर्क, डिजिटल समझ तथा बदलती तकनीक के साथ स्वयं को निरंतर अद्यतन करने की क्षमता में पीछे रह जाते हैं। दूसरी ओर उद्योग जगत को प्रशिक्षित और कार्य के लिए तैयार युवा नहीं मिलते। यही स्थिति शिक्षा और रोजगार के बीच नहीं, बल्कि डिग्री और दक्षता, ज्ञान और प्रयोग, युवा आकांक्षा और संस्थागत क्षमता तथा सरकारी नीति और जमीनी परिणाम के बीच मौजूद व्यापक अंतर को दर्शाती है। इसी पृष्ठभूमि में 28 जुलाई 2026 को भारतीय पीएम द्वारा केंद्र सरकार के सचिवों के साथ दूसरी उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता विशेष महत्व रखती है। बैठक में वित्त एवं अर्थव्यवस्था, वाणिज्य एवं उद्योग तथा प्रौद्योगिकी से जुड़े मंत्रालयों और विभागों की भविष्य की कार्ययोजना पर विचार किया गया। प्रधानमंत्री ने सरकारी व्यवस्था में विभागीय स्तर पर मौजूद क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर बाधाओं को कम करने, बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा शासन को अधिक युवा, गतिशील नवाचारी और भविष्य के अनुरूप बनाने पर बल दिया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सरकार को बदलती चुनौतियों और नए अवसरों के अनुसार निरंतर स्वयं को विकसित करना चाहिए।यह संदेश केवल प्रशासनिक सुधार का सामान्य विचार नहीं है, बल्कि तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और युवा अपेक्षाओं के बीच शासन की नई भूमिका का संकेत है।

साथियों, 28 जुलाई 2026 की उच्चस्तरीय बैठक,उद्योग और शिक्षा के बीच कौशल- अंतर इंटर्नशिप की आवश्यकता एआई युग की नई रोजगार चुनौतियां, परीक्षा- पेपर लीक के विरुद्ध युवा आंदोलन, डिजिटल लोकतंत्र का विस्तार और प्रशासन को युवा, गतिशील तथा अनुकूलनशील बनाने की आवश्यकता ये सभी अलग- अलग विषय नहीं हैं। ये भारत के भविष्य के एक ही बड़े प्रश्न के विभिन्न आयाम हैं क्या देश की शिक्षा, अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था युवा पीढ़ी की बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को समय पर बदल पाएगी? भारत के युवाओं ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वे केवल रोजगार नहीं, बल्कि निष्पक्ष अवसर चाहते हैं; केवल डिग्री नहीं, बल्कि उपयोगी कौशल चाहते हैं; केवल डिजिटल सुविधा नहीं, बल्कि डिजिटल अधिकार और पारदर्शिता चाहते हैं; केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समयबद्ध परिणाम चाहते हैं। सरकार के सामने चुनौती केवल अधिक योजनाएं बनाने की नहीं, बल्कि योजनाओं को परिणामों से जोड़ने की है। यदि शिक्षा उद्योग से जुड़े, इंटर्नशिप वास्तविक अनुभव दे, कौशल भविष्य की अर्थव्यवस्था के अनुरूप हों, परीक्षा प्रणाली विश्वसनीय बने, प्रशासन संवादशील हो और युवाओं को नीति-निर्माण में भागीदारी मिले, तो भारत की युवा शक्ति विश्व की सबसे बड़ी विकास-शक्ति बन सकती है।

साथियों,आज विश्व की अर्थव्यवस्था केवल श्रम- आधारित नहीं,बल्कि ज्ञान,डेटा,नवाचार और कौशल- आधारित अर्थव्यवस्था बन रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कई कार्यों को तेज, स्वचालित और अधिक सटीक बना रही है। इंजीनियरिंग में डिजाइन, कोडिंग,परीक्षण और उत्पादन की प्रक्रियाएं बदल रही हैं; कानून के क्षेत्र में कानूनी शोध, दस्तावेजों का विश्लेषण और न्यायिक डेटा का उपयोग तकनीक से प्रभावित हो रहा है; चिकित्सा में निदान- सहायता डिजिटल स्वास्थ्य और व्यक्तिगत उपचार के नए मॉडल विकसित हो रहे हैं; बैंकिंग में एल्गोरिदम,फिनटेक और साइबर सुरक्षा का महत्व बढ़ रहा है। इसलिए भविष्य में केवल किसी विषय की डिग्री पर्याप्त नहीं होगी। युवा को अपने मूल विषय के साथ डिजिटल साक्षरता, एआई की समझ, डेटा विश्लेषण, नैतिक निर्णय क्षमता, रचनात्मकता और मानव-केंद्रित समस्या- समाधान की दक्षता भी सटीकता से विकसित करनी होगी। साथियों, भारत में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में इंजीनियर तैयार होने के बावजूद रोजगार की उपलब्धता और कौशल की मांग के बीच अंतर पर लगातार चर्चा होती रही है। एक अध्ययन में भारत में प्रतिवर्ष लगभग नौ लाख इंजीनियर तैयार होने और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार- वृद्धि की तुलना में स्नातकों की संख्या अधिक होने का प्रश्न उठाया गया है। अध्ययन ने यह भी संकेत दिया कि केवल पारंपरिक नौकरी- आधारित मॉडल पर्याप्त नहीं हो सकता और तकनीकी शिक्षा को उद्यमिता स्थानीय नवाचार तथा नए प्रकार के सूक्ष्म उद्यमों से जोड़ने की आवश्यकता है।हालांकि ऐसे आंकड़ों को विभिन्न संस्थानों और क्षेत्रों की अलग-अलग परिस्थितियों के अनुसार समझना चाहिए, लेकिन मूल चुनौती स्पष्ट है उच्च शिक्षा की संख्या बढ़ना अपने आप में रोजगार- योग्यता की गारंटी नहीं है।यही कारण है कि पीएम द्वारा उद्योग जगत के सहयोग से नए और कौशल- आधारित पाठ्यक्रम विकसित करने की आवश्यकता पर दिया गया जोर अत्यंत प्रासंगिक है।

आस्था की भव्यता अब प्रकृति को बोझ बनाती जा रही है

धरती का गीत गाते थे हमारे त्योहार, अब हम उसे चुप करा रहे हैं

आरके जैन अरिजीत

उत्सव कभी केवल मनुष्य के आयोजन नहीं थे; वे प्रकृति के साथ हमारी मौन आत्मीयता के प्रतीक थे। हमारी सांस्कृतिक परंपरा ने सिखाया कि आनंद तभी पूर्ण है, जब उसमें धरती, जल, वायु और समस्त जीवन के प्रति सम्मान हो। पर आज उत्सव जितने भव्य हुए हैं, उनका पर्यावरणीय बोझ भी उतना ही बढ़ा है। रोशनी, रंग और उल्लास के बीच प्लास्टिक की थैलियां, डिस्पोजेबल बर्तन और कृत्रिम सजावट हर पर्व का सामान्य हिस्सा बन चुके हैं। उत्सव समाप्त होते ही यही कचरा सड़कों, नालों, नदियों और सार्वजनिक स्थलों पर बिखर जाता है। सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि प्लास्टिक बढ़ रहा है, बल्कि यह है कि जिस प्रकृति ने उत्सव को संभव बनाया, वही सबसे अधिक उपेक्षित रह जाती है। प्रश्न केवल प्लास्टिक का नहीं, उस सांस्कृतिक चेतना का है, जिसमें कभी उत्सव और प्रकृति एक-दूसरे के पूरक थे।सभ्यताएँ त्योहार बदलने से नहीं, उनके स्वभाव बदलने से बदलती हैं। कभी पर्वों की तैयारी मिट्टी, पत्तों, बांस, कपास और प्राकृतिक रेशों से होती थी। पूजा, प्रसाद और सजावट—सब कुछ प्रकृति से आता था और अपना उद्देश्य पूरा कर उसी में सहज विलीन हो जाता था। आज सुविधा, चमक और क्षणिक आकर्षण ने उस स्वाभाविक संतुलन को विस्थापित कर दिया है। परिणामस्वरूप, त्योहारों के दौरान शहरों में सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। यही कचरा नदियों में बहकर, मिट्टी में दबकर और वातावरण में फैलकर सूक्ष्म प्लास्टिक कणों में बदल जाता है। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, पर धीरे-धीरे जल, भूमि, वायु और पूरे जीवन चक्र को विषाक्त करता रहता है। सुविधा ने जीवन सरल अवश्य किया है, पर उसके पर्यावरणीय मूल्य का लेखा-जोखा आज भी अधूरा है।समाधान भविष्य की प्रयोगशालाओं में नहीं, हमारी सांस्कृतिक स्मृति में है। भारतीय परंपरा ने प्रकृति को कभी संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। इसलिए प्राकृतिक बर्तन, सजावट और पैकेजिंग केवल उपयोग की वस्तुएँ नहीं थीं, बल्कि ऐसी जीवन-दृष्टि का हिस्सा थीं, जिसमें उपभोग और संरक्षण साथ चलते थे। आज जब कुछ समुदाय सूती बैनरों, बागास की प्लेटों, प्राकृतिक रेशों और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपना रहे हैं, तो वे केवल पुराने साधन नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक विवेक को पुनर्जीवित कर रहे हैं, जिसने सदियों तक प्रकृति और समाज का संतुलन बनाए रखा। यह परिवर्तन सिद्ध करता है कि उत्सव की भव्यता और पर्यावरण संरक्षण विरोधी नहीं, पूरक हैं। आधुनिकता तभी सार्थक है, जब वह परंपरा की आत्मा को सुरक्षित रखते हुए नए साधनों का विवेकपूर्ण चयन करे।आस्था की सबसे बड़ी पहचान उसकी भव्यता नहीं, बल्कि उसके बाद बचने वाली स्वच्छता है। प्रत्येक धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव पवित्रता, स्वच्छता और सामूहिक अनुशासन का संदेश देता है। इसलिए यदि उत्सव स्थल प्लास्टिक मुक्त हों, प्रसाद वितरण में प्राकृतिक विकल्प अपनाए जाएँ और आयोजन के बाद सफाई को केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संस्कार माना जाए, तो पर्वों का उद्देश्य और अधिक सार्थक हो जाएगा। अनेक समुदाय इस दिशा में प्रेरक उदाहरण बन चुके हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि आधुनिक सुविधाओं के साथ भी पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहा जा सकता है। जब श्रद्धा के साथ पर्यावरण-बोध जुड़ता है, तब उत्सव केवल परंपरा का निर्वाह नहीं करते, बल्कि समाज के लिए आदर्श आचरण भी गढ़ते हैं।प्लास्टिक ने केवल पर्यावरण को ही नहीं, हमारे कारीगरों की आजीविका को भी गहरी चोट पहुंचाई है। मिट्टी के बर्तन बनाने वाले, बांस के शिल्पकार तथा सूत और प्राकृतिक रंगों से जुड़े कारीगर कभी त्योहारों की पहचान थे। प्लास्टिक आधारित वस्तुओं की बढ़ती निर्भरता ने उनकी उपयोगिता और रोजगार, दोनों को सीमित कर दिया। यदि प्राकृतिक सामग्रियों से बने उत्पादों को फिर प्राथमिकता मिले, तो स्थानीय उद्योगों को नई ऊर्जा, रोजगार को विस्तार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही प्लास्टिक कचरा घटने से नगर निकायों और अपशिष्ट प्रबंधन कर्मियों पर पड़ने वाला दबाव भी कम होगा। यदि कचरे का पृथक्करण स्रोत पर ही सुनिश्चित हो, तो अपशिष्ट प्रबंधन अधिक प्रभावी और कम खर्चीला बन सकता है। यह बदलाव पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता का भी सशक्त आधार बन सकता है।

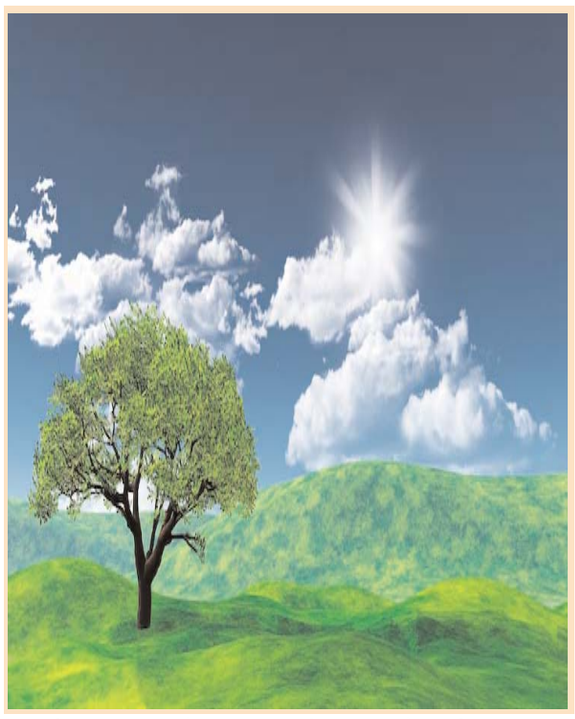

हर पीढ़ी केवल अपने त्योहारों का स्वरूप नहीं चुनती, वह आने वाली पीढ़ियों की विरासत भी गढ़ती है। आज के छोटे-छोटे निर्णय ही कल की पर्यावरणीय धरोहर बनते हैं। यदि सुविधा की क्षणभंगुर चमक ही उत्सवों की पहचान बन गई, तो आने वाली पीढ़ियाँ प्रदूषित जल, क्षीण होती मिट्टी और विषाक्त वातावरण की कीमत चुकाएँगी। किंतु यदि परंपरा का हाथ फिर पर्यावरणीय चेतना से जुड़ गया, तो यही पर्व प्रकृति और समाज के बीच विश्वास, संतुलन और सहअस्तित्व का नया सेतु बनेंगे। एक प्राकृतिक थैली, मिट्टी का बर्तन, पर्यावरण-अनुकूल सजावट और कचरे का पृथक्करण—ये साधारण प्रतीत होने वाले कदम ही असाधारण परिवर्तन की आधारशिला बनते हैं। विरासत केवल स्मारकों और ग्रंथों में नहीं बसती; वह हमारे व्यवहार, प्राथमिकताओं और सामूहिक जीवन-मूल्यों में भी जीवित रहती है।त्योहारों की सफलता का आकलन अब केवल रोशनी और भीड़ से नहीं, बल्कि उनके पर्यावरणीय पदचिह्नों से भी होना चाहिए। संस्कृति तभी जीवित रहती है, जब वह अपने मूल्यों को समयानुकूल अभिव्यक्ति देती रहे। पर्यावरण और धार्मिक परंपराओं में कोई टकराव नहीं; टकराव केवल उस सुविधा-प्रधान सोच से है, जिसने प्रकृति को उत्सव का सहभागी नहीं, उपभोग का साधन बना दिया। जिस दिन समाज यह स्वीकार कर लेगा कि पर्यावरण की रक्षा भी परंपराओं के निर्वाह जितनी ही पवित्र है, उसी दिन उत्सव अपने वास्तविक अर्थ में फिर जीवन का उत्सव बन जाएंगे। तब हमारे पर्व केवल हृदयों को नहीं जोड़ेंगे, बल्कि धरती को भी राहत देंगे; केवल परंपराओं का संरक्षण नहीं करेंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ जल, उर्वर मिट्टी और संतुलित प्रकृति की अमूल्य विरासत भी छोड़ जाएंगे।

जिस कलम की उम्र लेखक से बड़ी हो गई – वही प्रेमचंद है

कृति आरके जैन

शब्दों से समाज की आत्मा लिखने वाले साहित्यकार विरले होते हैं। 31 जुलाई केवल जन्मतिथि नहीं, उस युगदृष्टा का स्मरण है जिसकी लेखनी आज भी अन्याय और विषमता से प्रश्न करती है। लमही में जन्मे धनपत राय, जिन्हें साहित्य ने प्रेमचंद के रूप में अमर किया, उन्होंने साहित्य को अभिजात्य सीमाओं से निकालकर खेत-खलिहानों, चौपालों और झोपड़ियों की आवाज़ बनाया। उनकी रचनाएँ उस भारत का सजीव दस्तावेज़ हैं जिसे व्यवस्था अक्सर अनदेखा करती रही। किसान की विवशता, जातिगत पीड़ा, नारी संघर्ष और अभावों से जूझते परिवार उनके पात्र नहीं, समाज का यथार्थ थे। आज भी असमानता के बीच प्रेमचंद की लेखनी सामाजिक आत्ममंथन का विश्वसनीय दर्पण बनी हुई है।संघर्षों से हार न मानने वाले ही इतिहास में अमिट पहचान बनाते हैं। प्रेमचंद का जीवन इसका प्रमाण था। आठ वर्ष की आयु में माँ और सोलह वर्ष की आयु में पिता का साथ छूट गया, निर्धनता ने राह कठिन की, लेकिन अभावों ने उन्हें समाज के दर्द को समझने वाली संवेदना दी। फारसी-उर्दू अध्ययन से शुरू हुई उनकी लेखनी 'नवाब राय' नाम से आगे बढ़ी। 1907 में प्रकाशित सोज़-ए-वतन अंग्रेजी शासन को असहज कर गई और प्रतिबंधित हुई, लेकिन उसी दमन से 'प्रेमचंद' नाम का साहित्यिक स्वर उभरा, जिसने भारतीय साहित्य को नई दिशा दी। उनकी कलम ने सामंती अहंकार, जातिगत अन्याय, शोषण और विषमता के विरुद्ध आवाज़ उठाई तथा उपेक्षितों को शब्द दिए।महान साहित्यकारों की अमरता उनके पात्रों में होती है, जो समय बीतने के बाद भी समाज में जीवित दिखाई देते हैं।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। इस राशि के जो लोग पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलेगा। आज व्यक्तिगत और घरेलू कार्यों में व्यस्तता रह सकती है। ड्राइ फ्रूट का बिजनेस कर रहे लोगों को आज दोगुना मुनाफा होने के योग है।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज अचानक धनलाभ हो सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आयेगा। आज बिजनेस में साझेदार के साथ मिलकर किए गए कामों से आपको फायदा हो सकता है। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे। कारोबार में आ रही समस्या आज समाप्त हो जायेगी। आज धनलाभ के नये रास्ते नजर आयेंगे। अगर आज घर में किसी पार्टी का आयोजन कर रहे हैं तो सभी को दावत दें। आज किसी ऐसे व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी, जो आपको बिजनेस में काफी फायदा कराएगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आज आपको अच्छी डील मिलेगी। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी-मजाक होगा साथ ही कहीं पार्टी करने जा सकते है। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट्स को आज किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ईमेल आएगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज अनजान व्यक्ति आपके करियर के लिए खास हो सकता है। इस राशि के नवविवाहित आज किसी पारिवारिक समारोह में जायेंगे, जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आपकी क्रिएटिविटी से लोग प्रभावित होंगे। आपका मान-सम्मान लोगों में पहले से ज्यादा बढ़ेगा। आज जॉब में प्रमोशन के चांस बन रहे है और ऑफिस में सहकर्मियों के साथ अंडर स्टेंडिंग बढ़ेगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज भावनाओं में बहने की बजाय चतुराई से काम लेंगे तो परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। आज राजनीति शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छे परिणाम लेकर आने वाला रहेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपकी खास मनोकामना पूरी होगी। दूसरे शहर में रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को आज बड़ी सफलता मिलने के आसार नजर आ रहे है। कानूनी मामलों को हल करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, सफलता अवश्य मिलेगी।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहेगा। छोटे बच्चों को आज पिता से कोई गिफ्ट मिल सकता है। आज घरवालों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का आज मौका मिल सकता है। नौकरी में किसी उच्च अधिकारी की मदद से अपना लक्ष्य हासिल करने में सफलता मिलेगी।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का आपके लिए दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आपको रोजगार से जुड़े शुभ समाचार मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे। ऑफिस के कार्यों में आपका मन लगेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको अपनी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे। भूमि अथवा वाहन से संबंधित रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। मनोरंजन में पैसे खर्च हो सकते हैं। ऑफिस में किसी काम को लेकर आज जल्दबाजी करने से आपको बचना चाहिए, धैर्य के साथ काम करें।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। यदि आज किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय मधुर भाषा का प्रयोग

विकसित राष्ट्र की परिकल्पना और शिक्षा,तकनीकी ज्ञान कसौटी।

देश के विकास की पटकथा के पीछे शिक्षा तथा तकनीकी ज्ञान सनातन ज्ञान परंपरा से आधुनिक भारत तक विकास का आधार

संजीव ठाकुर,

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी कक्षाओं में लिखा जाता है। यह कथन केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि इतिहास का प्रमाणित सत्य है। जिस राष्ट्र ने शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी ज्ञान को अपनाया, वही विश्व के नेतृत्वकर्ता राष्ट्रों में शामिल हुआ। भारतवर्ष की सनातन संस्कृति भी इस सत्य की साक्षी रही है। यहाँ शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का आधार माना गया। वैदिक काल से लेकर आधुनिक भारत तक ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी कौशल ने राष्ट्र की शक्ति, समृद्धि और वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। उपनिषदों का उद्घोष सा विद्या या विमुक्तये तथा तमसो मा ज्योतिर्गमय यह स्पष्ट करता है कि शिक्षा मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान, निर्बलता से सामर्थ्य और पराधीनता से आत्मनिर्भरता की ओर ले जाती है। यही कारण है कि प्राचीन भारत में गुरुकुल शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसमें चरित्र निर्माण, नैतिकता, कृषि, आयुर्वेद, शिल्प, युद्धकला, राजनीति, अर्थशास्त्र, खगोल विज्ञान और समाज व्यवस्था का भी समावेश था।

प्राचीन भारत : विश्व का ज्ञान केंद्र

भारत में तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी और कांचीपुरम जैसे विश्वविद्यालय विश्वभर के विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र थे। चीन, कोरिया, तिब्बत, श्रीलंका तथा दक्षिण-पूर्व एशिया से विद्यार्थी भारत में शिक्षा प्राप्त करने आते थे। यहाँ गणित, चिकित्सा, धातुकर्म, दर्शन, भाषा विज्ञान, न्यायशास्त्र, अर्थशास्त्र और स्थापत्य कला का उच्च अध्ययन कराया जाता था। आर्यभट्ट ने शून्य और दशमलव पद्धति को नई दिशा दी, वराहमिहिर ने खगोल विज्ञान को समृद्ध किया, सुश्रुत ने शल्य चिकित्सा को वैज्ञानिक आधार दिया तथा चरक ने आयुर्वेद को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। यह उपलब्धियाँ प्रमाण हैं कि भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण साथ-साथ विकसित हुए।

अर्थशास्त्र और शिक्षा का संबंध

आचार्य चाणक्य ने अपने महान ग्रंथ अर्थशास्त्र में स्पष्ट कहा कि किसी राज्य की वास्तविक शक्ति उसके शिक्षित नागरिक, योग्य प्रशासक और सुदृढ़ आर्थिक तंत्र में निहित होती है। उनके अनुसार शिक्षा, अनुशासन और दक्ष प्रशासन के बिना कोई भी राज्य लंबे समय तक समृद्ध नहीं रह सकता।

विश्वप्रसिद्ध अर्थशास्त्री एडम स्मिथ ने लिखा कि किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति उसके नागरिकों की दक्षता और उत्पादक क्षमता होती है। आधुनिक अर्थशास्त्र में इसे मानव पूंजी कहा गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री थियोडोर डब्ल्यू. शुल्ट्ज़ ने सिद्ध किया कि शिक्षा पर किया गया निवेश किसी भी अन्य निवेश की तुलना में अधिक लाभ देता है। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए गैरी बेकर ने मानव पूंजी सिद्धांत विकसित किया और बताया कि शिक्षित समाज अधिक उत्पादन करता है, नवाचार करता है तथा आर्थिक विकास को तीव्र गति प्रदान करता है।

भारतीय अर्थशास्त्री एवं नोबेल पुरस्कार विजेता ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक डेवलपमेंट एस फ्रीडम में लिखा कि विकास केवल आय बढ़ाने का नाम नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों की समान उपलब्धता ही वास्तविक विकास का आधार है।

शिक्षा और तकनीकी ज्ञान : आधुनिक भारत की आवश्यकता

इक्कीसवीं सदी ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की सदी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं।आज जिन देशों ने अनुसंधान एवं विकास में निरंतर निवेश किया है, वे विश्व की आर्थिक महाशक्ति बने हुए हैं। जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, अमेरिका और इज़राइल इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इन देशों ने प्राकृतिक संसाधनों से अधिक मानव संसाधनों के विकास पर बल दिया।

भारत भी डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा और तकनीकी विकास को नई दिशा दे रहा है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक सोच, उद्यमिता, अनुसंधान, कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय स्थापित करना है।इस नीति मेंमातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा पर बल,कौशल आधारित शिक्षा का समावेश,व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाना,अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा।डिजिटल शिक्षा का विस्तार,भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान का समन्वय औरतकनीकी आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा शामिल है।

आज युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते। साइबर हमले, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उपग्रह प्रणाली, ड्रोन तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और डिजिटल संचार आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था के प्रमुख आधार बन चुके हैं। इसलिए शिक्षा और तकनीकी अनुसंधान केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की भी आधारशिला हैं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार 31 जुलाई 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

'बीजेपी में शामिल हो जाओ नहीं तो अच्छा नहीं होगा', CJP प्रमुख अभिजीत दीपके को पार्टी में शामिल होने की मिली धमकी

नई दिल्ली(ए) । (कॉकरोच जनता पार्टी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उन्हें और उनके परिवार को कई बार धमकियां दी गईं। उन्होंने कहा कि उन पर बीजेपी में शामिल होने का दबाव बनाया गया और ऐसा नहीं करने पर परिवार के लिए ठीक न होने की चेतावनी दी गई।अभिजीत दीपके ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पोतों की उम्र के बराबर हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी का ध्यान युवाओं, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य केवल सत्ता हासिल करना है। दीपके ने कहा कि देश में युवाओं के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और रोजगार के सवालों पर व्यापक स्तर पर एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो भी राजनीतिक दल या संगठन इन मुद्दों के समर्थन में खड़ा होगा, CJP उसका समर्थन करेगा। राहुल गांधी के हालिया बयान का जिक्र करते हुए अभिजीत दीपके ने कहा कि उन्हें विपक्ष के नेता की कई बातें सही लगती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाई और पैलेट गन के इस्तेमाल जैसे मामलों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि छात्रों पर पैलेट गन चलाए जाने से कई छात्र घायल हुए और कुछ की आंखों की रोशनी प्रभावित हुई। दीपके ने इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि ऐसी कार्रवाई उनकी जानकारी में हुई है तो जवाबदेही तय होनी चाहिए और यदि जानकारी में नहीं हुई, तब भी इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। इसके अलावा अभिजीत दीपके ने बीजेपी पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया और कहा कि कानून व्यवस्था तथा शिक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर सरकार को गंभीरता से काम करना चाहिए। हालांकि, बीजेपी की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पंजाब में पेपर लीक को लेकर भाजपा का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली,(ए.)। पंजाब में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में सांसदों और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की और आआपा नेतृत्व पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया।प्रदर्शन के दौरान हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पंजाब के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगने आए हैं। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर मनीष सिसोदिया ने कहा था कि यदि पंजाब में पेपर लीक होगा तो पंजाब के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लिया जाएगा, लेकिन पंजाब में 12वीं कक्षा का अंग्रेजी का पेपर लीक होने के बावजूद आज तक केजरीवाल ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में केजरीवाल सरकार शिक्षा क्रांति नहीं, बल्कि पेपर लीक क्रांति चला रही है। उन्होंने कहा कि पहले 12वीं कक्षा का अंग्रेजी का पेपर और फिर पंजाब स्टेट सिलेक्शन बोर्ड की फार्मास्युटिकल परीक्षा का पेपर लीक हुआ।भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार 2022 से सत्ता में है और पिछले चार वर्षों में पेपर में गड़बड़ी या पेपर लीक के छह से अधिक मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इससे छात्र परेशान हैं, जबकि सरकार जिम्मेदारी लेने से इनकार कर रही है।भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि प्रदर्शन का कारण आम आदमी पार्टी की कथित दोहरी राजनीति है। उन्होंने पंजाब सरकार से सवाल किया कि फार्मेसी परीक्षा के मामले में जवाबदेही क्यों तय नहीं की गई और अब तक पंजाब के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा क्यों नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि जब छात्रों के भविष्य को दांव पर लगाया गया है तो सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए।

जमुनापार के वर्षों से खराब पड़े नलकूप होंगे रीबोर, किसानों को मिलेगी सिंचाई की बेहतर सुविधा

प्रयागराज (ए.)। जमुनापार क्षेत्र के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। सांसद उज्ज्वल रमण सिंह के निर्देशन एवं सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा के प्रयासों से करछना, जसरा और मेजा विकासखंड के वर्षों से खराब पड़े कई सरकारी नलकूपों का रीबोर कराया जाएगा। इससे क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी और बड़ी संख्या में किसानों को लाभ मिलेगा।

सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने गुरुवार को बताया कि करछना विकासखंड के नलकूप संख्या 88 केसी (बसरिया), 131 केसी (डीहा), 190 केसी (डाड़ो) और 202 केसी (चंदौली) का रीबोर कराया जाएगा।जसरा विकासखंड में 21 बीजी (बसहरा), 22, 23 व 24 बीजी (छतहरा), 30 बीजी (मैदा), 31 बीजी (जसरा) तथा 185 केसी (कंजासा)को रीबोर किया जाएगा।

इसी प्रकार मेजा विकासखंड के 2 एम (कठौली), 87 एम (कंजौली), 111 एम (कठौली) और 128 एम (अझोला) नलकूप भी रीबोर किए जाएंगे।

विनय कुशवाहा ने बताया कि इन नलकूपों के चालू होने के बाद लगभग 1,000 बीघा कृषि भूमि की सिंचाई संभव हो सकेगी, जिससे क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और खेती आसान होगी।

उन्होंने कहा कि सांसद उज्ज्वल रमण सिंह जमुनापार क्षेत्र में नए नलकूप स्थापित कराने के लिए भी लगातार प्रयास कर रहे हैं, ताकि पथरीली और सिंचाई से वंचित भूमि को उपजाऊ बनाया जा सके। इसके साथ ही जिन नलकूपों की नालियां और कुलाबे क्षतिग्रस्त हैं, उनकी मरम्मत भी शीघ्र कराई जाएगी। इस पहल से खुश किसानों ने सांसद उज्ज्वल रमण सिंह का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि सिंचाई व्यवस्था बेहतर होने से कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान मिलेगा।

आपका मुंह भी नहीं खुलता, किसी ने सिल दिया क्या; जंतर-मंतर प्रोटेस्ट पर अमित शाह से खरगे के तीखे सवाल

नई दिल्ली (ए.)। राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छात्रों के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय बल प्रयोग किया और पूरे मामले पर गृह मंत्री ने सदन और देश के सामने जवाबदेही नहीं दिखाई। मल्लिकार्जुन खरगे ने नीट पेपर लीक पर हुए आंदोलन में हुई पुलिस कार्रवाई पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखे सवाल पूछे। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इतनी गड़बड़ हो रही है, आप गृह मंत्री हैं, लेकिन इसके बाद भी आपका मुंह भी नहीं खुलता, क्या कोई सिल दिया है क्या मुंह को, बंद कर दिया? बोलना चाहिए था खुलकर, देश की भलाई के लिए बोलना पड़ता है। मैं नहीं बोलूंगा अगर यह बोलेंगे तो सबक स्टूडेंट ने सिखाया है तो इससे डबल एक दिन फिर आपको सिखाएंगे।

खड़गे ने कहा कि छात्रों और युवाओं की ताकत ही सरकार को जवाब

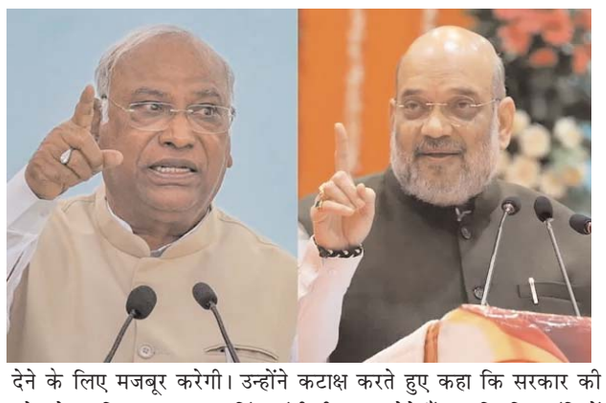

देने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार की ओर से हर विषय पर कुछ चुनिंदा मंत्री ही जवाब देते हैं, जबकि जिन मंत्रियों से संबंधित विषय होता है, वे सामने नहीं आते। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई की घटना के तुरंत बाद सरकार को देश के सामने पूरी सच्चाई रखनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने इस पूरे मामले पर संसद या देश के सामने विस्तृत बयान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों से सीधे संवाद करने के बजाय अन्य माध्यमों से अपनी बात रखने की कोशिश की।खड़गे ने सरकार से कई सवाल पूछते हुए कहा कि छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि छात्रों लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। आंसू गैस छोड़ने का आदेश किसने दिया, पैलेट गन के इस्तेमाल की अनुमति किसने दी, सादे कपड़ों में छात्रों की पिटाई करने वाले लोग कौन थे, दिल्ली पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स ने किसके निर्देश पर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि यदि गृह मंत्री इन सवालों का जवाब नहीं दे सकते तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह मामला केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और असम सहित कई राज्यों में भी छात्रों के साथ कठोर कार्रवाई हुई।

मेरे थाने में हमको ही धमकी, हम वर्दी उतार दिए तो, प्रशांत किशोर से भिड़ गया थानेदार

पटना(ए) । पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के मतदान से ठीक पहले राजनीतिक माहौल उस समय गरमा गया, जब जन सुराज पार्टी के सूत्रधार और उम्मीदवार प्रशांत किशोर जक्कनपुर थाना पहुंच गए। पार्टी का आरोप है कि पुलिस ने उसके करीब 20 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, जिसके विरोध में प्रशांत किशोर समर्थकों के साथ थाने

पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस की। पार्टी के नेताओं और समर्थकों को लेकर थाना पहुंचे प्रशांत किशोर ने अपने चिर-परिचित आक्रामक तेवर में थानेदार से पूछा कि दो कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गायब कर दिया है तो किससे पूछेंगे। गर्मा-गर्मी के माहौल में एसएचओ ने पलटकर जवाब दे दिया कि मेरे थाने में बैठकर हमको ही धमकी देंगे। प्रशांत किशोर से एसएचओ ने कहा कि वर्दी में होने के कारण ही दबाव है, नहीं तो वर्दी उतारकर आम आदमी बन सकते हैं। जन सुराज पार्टी का कहना है कि यदि उसके कार्यकर्ताओं ने कोई अपराध किया है तो उनके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाए, लेकिन बिना स्पष्ट जानकारी के हिरासत में रखना उचित नहीं है। दूसरी ओर, मतदान के दिन भी प्रशांत किशोर ने पुलिस पर निष्पक्षता से काम न करने और सरकार के दबाव में कार्रवाई करने का आरोप लगाया । वायरल वीडियो में प्रशांत किशोर एसएचओ से कहते हैं कि आपके थाने से 2 आदमी गायब हो गया है तो आपसे ही पूछेंगे। एसएचओ प्रशांत किशोर से सीनियर अफसरों से बात करने कहते हैं। फिर थानेदार कहते हैं- 'ये पॉलिटिक्स आप हमको क्यों दिखा रहे हैं। वर्दी उतारकर छोड़ देंगे। अगर वर्दी नहीं पहना है तो भूख नहीं लगेगी, नहीं कमाकर खा सकता है आदमी। धमकी नहीं दीजिए।' प्रशांत किशोर फिर पूछते हैं कि उनके 2 आदमी कहां हैं, कहानी नहीं, कानून बताइए। एसएचओ इस पर कहते हैं- 'आप मेरे थाने में बैठकर हमको ही धमकी दीजिएगा तो यही वर्दी बचा है क्या। ये वर्दी उतारकर आदमी कोई और काम नहीं करता है।'

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में दिल्ली सचिवालय में तुगलकाबाद और ओखला में कुल 800 टीपीडी क्षमता वाले कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट लगाने के लिए दिल्ली नगर निगम और ऑयल इंडिया लिमिटेड के बीच हुए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के समय उपस्थिति दर्ज कराई।

हिमाचल में स्टडी लीव पर अब मिलेगा पूरा वेतन, प्रदेश सरकार ने बदला रूल 56

शिमला, (ए.)। हिमाचल प्रदेश के सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों को अब अध्ययन अवकाश (स्टडी लीव) के दौरान मिलने वाले वेतन और भत्तों के नियम नए सिरे से तय किए गए हैं। राज्य की सुक्खू सरकार ने सेंट्रल सिविल सर्विसेज (लीव) रूल्स, 1972 के रूल 56 में संशोधन करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अध्ययन अवकाश पर जाने वाले कर्मचारी को अवकाश पर जाने से ठीक पहले मिलने वाले वेतन के बराबर अवकाश वेतन मिलेगा। इसके साथ महंगाई भत्ता (डीए) और तय नियमों के अनुसार मकान किराया भत्ता (एचआरए) भी दिया जाएगा। वित्त (विनियम) विभाग ने इस संबंध में वीरवार को अधिसूचना जारी की है। ये संशोधित नियम 7 अगस्त 2024 से प्रभावी माने जाएंगे। अधिसूचना के अनुसार राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश पर लागू सेंट्रल सिविल सर्विसेज (लीव) रूल्स, 1972 में संशोधन किया है। नए नियमों का नाम सेंट्रल सिविल सर्विसेज (लीव) हिमाचल प्रदेश संशोधन नियम, 2026 रखा गया है। इसके तहत पुराने रूल 56 की जगह नया प्रावधान लागू किया गया है।नए नियमों में कहा गया है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी भारत के बाहर अध्ययन अवकाश पर जाता है, तो उसे अवकाश पर जाने से पहले ड्यूटी के दौरान मिलने वाले वेतन के बराबर अवकाश वेतन मिलेगा। इसके अलावा उसे महंगाई भत्ता और मकान किराया भत्ता भी मिलेगा।इसी तरह भारत के भीतर अध्ययन अवकाश लेने वाले कर्मचारी को भी अवकाश पर जाने से पहले मिलने वाले वेतन के बराबर अवकाश वेतन दिया जाएगा। इसके साथ महंगाई भत्ता और रूल 60 के प्रावधानों के अनुसार देय मकान किराया भत्ता मिलेगा।संशोधित नियमों में यह भी कहा गया है कि भारत में अध्ययन अवकाश के दौरान पूरा अवकाश वेतन पाने के लिए कर्मचारी को सरकार को यह प्रमाणित करना होगा कि उसे किसी प्रकार की छात्रवृत्ति, वजीफा या अंशकालिक रोजगार से कोई पारिश्रमिक नहीं मिल रहा है।

परेश राणपरा ने एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) के रूप में पदभार ग्रहण किया

फ़रीदाबाद (ए)। परेश राणपरा ने 30 जुलाई 2026 को विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित नवरत्न उद्यम एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। एनएचपीसी में निदेशक (कार्मिक) के रूप में नियुक्ति से पहले, श्री राणपरा ग्रिड-इंडिया में निदेशक (मानव संसाधन) के रूप में कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने मानव संसाधन प्रबंधन, प्रतिभा विकास, संगठनात्मक क्षमता निर्माण और कार्यबल योजना के क्षेत्रों में कार्यनीतिक नेतृत्व प्रदान करने संबंधी उत्तरदायित्वों का सफल निर्वहन किया। श्री राणपरा, विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक और निजी संगठनों में 31 वर्षों से अधिक के समृद्ध अनुभव के साथ कुशल मानव संसाधन पेशेवर हैं। उन्होंने महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा से सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर (एमएसडब्ल्यू) और सरदार पटेल विश्वविद्यालय से व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (बीबीए) की डिग्री प्राप्त की है। वह एक्सएलआरआई, जमशेदपुर से प्रमाणित मूल्यांकनकर्ता भी हैं। ग्रिड-इंडिया में, पदस्थ रहते हुए श्री राणपरा ने प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ साझेदारी करते हुए क्षमता निर्माण अवसंरचना को सुदृढ़ करके अधिगम एवं विकास पर कार्यनीतिक रूप से जोर दिया। दीर्घकालिक नेतृत्व निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, श्री राणपरा ने योग्यता अवसंरचना पर आधारित उत्तराधिकार योजना पहलों को

सफलतापूर्वक लागू किया। उन्होंने क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय परामर्श कार्यों के अवसरों को भी तलाशा है और उन्हें आगे बढ़ाया है।ग्रिड-इंडिया में शामिल होने से पूर्व, श्री राणपरा ने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) में मानव संसाधन प्रमुख के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने जीयूवीएनएल समूह के 60,000 से अधिक कार्मिकों के लिए मानव संसाधन नीतियों के निर्माण संबंधी उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने संगठनात्मक परिवर्तन प्रबंधन और संचार प्रक्रिया का नेतृत्व करते हुए तत्कालीन गुजरात विद्युत बोर्ड (जीईबी) के सफल पुनर्गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जीयूवीएनएल समूह की कंपनियों में कार्य-निष्पादन प्रबंधन प्रणाली के अभिकल्पन और कार्यान्वयन में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने मध्य गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (एमजीवीसीएल) में संगठनात्मक पुनर्गठन, कार्यबल के युक्तिकरण, जनशक्ति नियोजन और वरिष्ठ नेतृत्व पदों के लिए उत्तराधिकार-नियोजन से संबंधित प्रमुख मानव संसाधन पहलों का नेतृत्व किया। इसके साथ ही, उन्होंने नेतृत्व विकास, कर्मचारी अभिप्रेरणा और दक्षता-वृद्धि से संबंधित कई कार्यक्रमों की संकल्पना और कार्यान्वयन का कार्य किया। उन्होंने नवाचार और सतत अधिगम की संस्कृति को बढ़ावा दिया, ताकि कार्यबल को विद्युत क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं-विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते एकीकरण को पूरा करने के लिए अपेक्षित उभरते कौशलों से सुसज्जित किया जा सके।एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) के रूप में श्री राणपरा कंपनी के मानव संसाधन संबंधी कार्यों को कार्यनीतिक दिशा प्रदान करेंगे। उनके दायित्वों में मानव संसाधन नियोजन, प्रतिभा प्रबंधन, संगठनात्मक विकास, औद्योगिक संबंध, अधिगम एवं विकास, कर्मचारी सहभागिता तथा कार्मिकों से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण कार्य शामिल होंगे। उनके व्यापक अनुभव और नेतृत्व से एनएचपीसी की मानव संसाधन क्षमताएँ और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा कंपनी की निरंतर प्रगति एवं संगठनात्मक उत्कृष्टता के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त होगा।

किन्नौर कैलाश यात्रा शुरू, रोजाना 375 श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति

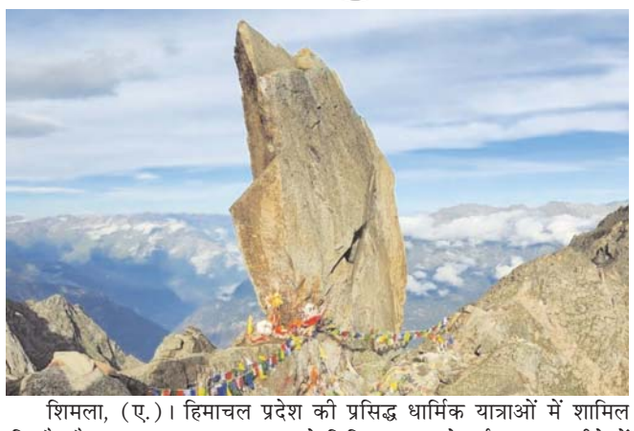

शिमला, (ए.)। हिमाचल प्रदेश की प्रसिद्ध धार्मिक यात्राओं में शामिल किन्नौर कैलाश यात्रा-2026 गुरुवार से विधिवत शुरू हो गई। सावन महीने में होने वाली यह पवित्र यात्रा आज से 10 अगस्त तक चलेगी। जिला प्रशासन ने यात्रा के मद्देनजर सभी जरूरी तैयारियां पूरी करने का दावा किया है। प्रशासन का कहना है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मौसम की स्थिति को देखते हुए यात्रा की अवधि में जरूरत पड़ने पर बदलाव भी किया जा सकता है। किन्नौर व आसपास के इलाकों में आज बादल छाए हुए हैं।यात्रा समिति के अध्यक्ष एवं एसडीएम कल्पा प्रवीण कुमार भारद्वाज ने बताया कि रेकी टीम की अंतिम सिफारिशों के बाद यात्रा शुरू करने का निर्णय लिया गया। इससे पहले यात्रा मार्ग का दो चरणों में निरीक्षण किया गया था। शुरुआती निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर भूस्खलन और पहाड़ी से पत्थर गिरने का खतरा सामने आया था, जिसके कारण यात्रा शुरू करने का फैसला कुछ समय के लिए रोका गया। बाद में संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा और मरम्मत का काम पूरा होने के बाद यात्रा शुरू करने की अनुमति दी गई। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित विभागों को पहले ही आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए थे।प्रशासन के अनुसार इस वर्ष प्रतिदिन अधिकतम 375 श्रद्धालुओं को ही यात्रा की अनुमति दी जाएगी। इनमें 175 श्रद्धालु ऑनलाइन पंजीकरण, 125 श्रद्धालु ऑफलाइन पंजीकरण और 75 श्रद्धालु एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन (ओए श्रेणी) के माध्यम से यात्रा कर सकेंगे। ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि ऑफलाइन पंजीकरण यात्रा शुरू होने के साथ आरंभ कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीकरण किसी भी श्रद्धालु को यात्रा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।इस वर्ष यात्रा केवल तंगलिंग-मेलिंग खट्टा-गुफा मार्ग से संचालित की जा रही है। पूरे मार्ग पर पुलिस, स्वास्थ्य, वन, होमगार्ड, जल शक्ति और राजस्व विभाग के कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अलग-अलग पड़ावों पर डॉक्टर, फार्मासिस्ट और पुलिस कर्मी भी मौजूद रहेंगे, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके। एसडीएम प्रवीण कुमार भारद्वाज ने कहा कि यात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर रहेगा। किसी भी श्रद्धालु को यात्रा मार्ग पर गंदगी फैलाने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से केवल अधिकृत पंजीकरण के माध्यम से यात्रा करने और प्रशासन की ओर से जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रा पर निकलने से पहले मौसम की जानकारी अवश्य लें और सुरक्षा नियमों का पूरी तरह पालन करें। उल्लेखनीय है कि किन्नौर कैलाश तिब्बत सीमा के निकट समुद्र तल से लगभग 6,050 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इसे पंच कैलाशों में से एक माना जाता है। यहां स्थित प्राकृतिक शिवलिंग के दर्शन के लिए हर वर्ष देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह स्थान भगवान शिव और माता पार्वती के प्रथम मिलन से जुड़ा माना जाता है। इसी आस्था के कारण हर वर्ष सावन महीने में हजारों श्रद्धालु कठिन पर्वतीय मार्ग पार कर किन्नौर कैलाश की यात्रा करते हैं।

1008 किलोमीटर की पैदल कांवड़ यात्रा पर निकले शिवभक्त, 14 अगस्त को बाबा भयानक नाथ का करेंगे जलाभिषेक

औरैया, (ए) । उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सावन माह में शिवभक्ति और आस्था का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कुदरकोट क्षेत्र के शिवभक्त गोमुख (उत्तराखंड) से पवित्र गंगाजल लेकर करीब 1008 किलोमीटर की पैदल कांवड़ यात्रा पर निकले हैं। श्रद्धालु कठिन

मार्ग को पैदल तय करते हुए कुदरकोट स्थित प्राचीन बाबा भयानक नाथ मंदिर पहुंचेंगे, जहां 14 अगस्त को भगवान शिव का विधि-विधान से गंगाजल द्वारा जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ यात्रा में शिवानंद तिवारी, गोलू, ऋषभ, प्रदीप शर्मा, हिमांशु चक्रवर्ती, राघव दीक्षित और बंटी चौरसिया समेत कई शिवभक्त शामिल हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान भोलेनाथ के प्रति अटूट आस्था और विश्वास ही उन्हें इतनी लंबी एवं कठिन पैदल यात्रा पूरी करने की शक्ति देता है। यात्रा के दौरान वे बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ आगे बढ़ रहे हैं।श्रावण मास में निकलने वाली इस विशेष कांवड़ यात्रा को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह है। 14 अगस्त को बाबा भयानक नाथ मंदिर में होने वाले जलाभिषेक के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिर परिसर को सजाया जा रहा है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। शिवभक्तों ने बताया कि यह यात्रा केवल धार्मिक परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि भगवान शिव के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा, तप और समर्पण का प्रतीक है। श्रद्धालुओं की सुरक्षित एवं सफल यात्रा के लिए क्षेत्रवासी भी शुभकामनाएं दे रहे हैं।

अमेरिका ने ईरान पर फिर हमले किए, जॉर्डन में हुए हमले का लिया बदला; ट्रम्प बोले- अब हमारी बारी

तेहरान/वॉशिंगटन (ए)। जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हुए हमले के जवाब में अमेरिका ने ईरान के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान शुरू कर दिया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। इस कार्रवाई के बाद पूरे पश्चिम एशिया में तनाव और अधिक बढ़ गया है।अमेरिकी सेंट्रल कमान के अनुसार अभियान करीब दो घंटे तक चला। इस दौरान इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। हमलों में सैन्य कमान केंद्र, मिसाइल और ड्रोन से जुड़े अड्डों के साथ-साथ कुछ वायु रक्षा प्रणालियों को भी निशाना बनाया गया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमले का जवाब देना आवश्यक था।उन्होंने कहा, अब हमारी बारी है।उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका अपने सैनिकों और राष्ट्रीय हितों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा।

वहीं, ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित केशम द्वीप पर दो लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा देश के दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-

पश्चिम क्षेत्रों में कई विस्फोटों की भी खबर सामने आई है।संघर्ष का असर अब पूरे क्षेत्र में दिखाई देने लगा है। मिस्र के दमिएटा बंदरगाह पर खड़े दो गैस जहाजों पर ड्रोन हमले की सूचना है, जिससे दोनों जहाजों में आग लग गई। सऊदी अरब ने आरोप लगाया है कि ईरान समर्थित इराकी गुटों ने उसके तेल ठिकानों को निशाना बनाया। दूसरी ओर, यमन के हूथी विद्रोहियों ने सऊदी ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले की जिम्मेदारी ली है।बढ़ते तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है।

ब्रेंट क्रूड ऑयल 7.3 प्रतिशत बढ़कर 88.09 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया।इस बीच, ओमान, कतर और अन्य खाड़ी देशों की मध्यस्थता की कोशिशों के बावजूद दोनों देशों के बीच तनाव कम होता नहीं दिख रहा है। जॉर्डन हमले और उसके बाद अमेरिका की व्यापक सैन्य कार्रवाई के चलते वार्ता की प्रक्रिया लगभग ठप पड़ गई है। फिलहाल किसी भी पक्ष ने औपचारिक बातचीत की घोषणा नहीं की है। ऐसे में निकट भविष्य में युद्धविराम या तनाव कम होने की संभावना बेहद कम नजर आ रही है। लगातार बढ़ते इस टकराव ने पूरे पश्चिम एशिया में बड़े युद्ध की आशंकाओं के साथ-साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंताएं बढ़ा दी हैं।

जापान भूकंप : मृतकों की संख्या बढ़कर 30, मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी

टोक्यो (ए) जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप क्यूशू के कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, 60 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जबकि कई लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। ब्रॉडकास्टर एनएचके के अनुसार, प्रांतीय सरकार ने बताया कि घायलों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे मृतकों का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

करीब 5,000 जापानी सेल्फ-डिफेंस फोर्स (एसडीएफ) के जवान राहत और बचाव अभियान में जुटे हैं। हालांकि, गुरुवार को तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने और रात में आए 5.8 तीव्रता के आफ्टरशॉक के कारण अभियान और चुनौतीपूर्ण हो गया है।

रूस का कीव पर भीषण मिसाइल हमला, कई इलाकों में तबाही; जेलेंस्की की चेतावनी के कुछ घंटे बाद बरसे मिसाइल

कीव (ए.)। रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमला कर राजधानी कीव समेत कई इलाकों को निशाना बनाया। यह हमला ऐसे समय हुआ, जब कुछ ही घंटे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने चेतावनी दी थी कि रूस बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। सीएनएन ने कीव के सैन्य प्रशासन के हवाले से बताया कि हमले में राजधानी कीव में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा डिनप्रो और क्रिवी रिह शहर भी रूसी हमलों की चपेट में आए हैं।यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने पहले बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया और इसके बाद विमानों से क्रूज मिसाइलों की कई लहरें दागीं। शुरुआती हमलों के बाद वायु सेना ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि और बैलिस्टिक मिसाइलें कीव की ओर बढ़ रही हैं।कीव के मेयर ने कहा कि शहर पर आगे भी हमलों का खतरा बना हुआ है। उन्होंने लोगों से एयर रेड अलर्ट का पालन करने और सुरक्षित शेल्टरों में रहने की अपील की है।इस बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में यूक्रेन में जारी सैन्य अभियान को उचित ठहराते हुए कहा था कि रूस अपने सभी सैन्य और रणनीतिक लक्ष्य हासिल करेगा।हमले से पहले राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में कहा था कि यूक्रेनी वायुसेना प्रमुख अनातोली क्रिवोनोज़्को ने उन्हें रूस की संभावित बड़े हमले की तैयारी के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा इस बात पर निर्भर करती है कि सहयोगी देश यूक्रेन को एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइलें कितनी तेजी से उपलब्ध कराते हैं

जेलेंस्की ने विशेष रूप से अमेरिका और उन सहयोगी देशों से अपील की, जिनके पास पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइल प्रणाली उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हर सहयोगी जानता है कि यूक्रेन को किस तरह की सहायता की आवश्यकता है और सहायता में देरी के परिणाम भी सभी के सामने हैं। उन्होंने नागरिकों से एयर रेड अलर्ट पर सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील भी की।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में चेकपॉइंट पर हुआ जोरदार धमाका, 7 पुलिसकर्मियों की मौत और 22 घायल

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में इन दिनों हालात बेहद खराब हैं। इस बीच पुलिस ने बताया है कि पाकिस्तान के उत्तरी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में आतंकवादियों के एक ग्रुप ने पुलिस चेकपॉइंट पर हमला कर दिया। इसमें कम से कम सात पुलिसकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर तारिक हबीब ने बुधवार देर रात स्थानीय मीडिया को बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए और छह दूसरे घायल हो गए।पुलिस ने कहा कि बचे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए इलाके में क्लीयरेंस ऑपरेशन जारी है। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को आतंकियों ने लगातार निशाना बनाया है, जिसमें कई जवान मारे जा चुके हैं। इससे पहले 23 जुलाई को खैबर पख्तूनख्वा में एक सुरक्षा चौकी पर आत्मघाती हमला हुआ था। इसमें सुरक्षा कर्मियों, पुलिस और वन विभाग के एक अधिकारी समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हुई थी।सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि यह हमला टैंक जिले में एक सिक्योरिटी पोस्ट पर हुआ। एक गाड़ी में सवार सुसाइड बॉम्बर ने धमाका किया। इस घटना में भारी संख्या में लोगों के मारे जाने और काफी नुकसान की जानकारी सामने आई है।

अब PoK ही नहीं..पूरे पाकिस्तान में होगा आंदोलन, JAAC ने किया बड़ा ऐलान; 3 दिन में 40 से अधिक की मौत

इस्लामाबाद (ए)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के बीच जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) ने आंदोलन को पूरे पाकिस्तान तक विस्तार देने का आह्वान किया है। संगठन के कोर कमेटी सदस्य सरदार अरमान कश्मीरी ने पाकिस्तान, कश्मीर घाटी, जम्मू, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और पुंछ के लोगों से इस आंदोलन का समर्थन करने और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की अपील की है।सरदार अरमान कश्मीरी ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं, बल्कि आम लोगों के बुनियादी अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, न्याय और बुनियादी ढांचा प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। उनका आरोप है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में लोगों की आवाज दबाने के लिए लगातार बल प्रयोग किया जा रहा है।इसी बीच छुट्ट के एक अन्य कोर कमेटी सदस्य सरदार उमर नजीर कश्मीरी ने दावा किया कि पिछले तीन दिनों में कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है, जबकि बीते 52-53 दिनों में मृतकों की संख्या लगभग 100 तक पहुंच चुकी है। उनका आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की, जिसमें सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। JAAC ने यह भी आरोप लगाया कि पूरे क्षेत्र में संचार सेवाओं पर पाबंदियां लगा दी गई हैं। इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बाधित होने के कारण हालात की स्वतंत्र पुष्टि करना मुश्किल हो गया है। संगठन का कहना है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और कई इलाकों में लोगों को अपनी बात रखने तक की अनुमति नहीं दी जा रही।सरदार उमर नजीर कश्मीरी ने बताया कि इस्लामाबाद के डी-चौक पर जारी धरना अभी समाप्त नहीं हुआ है। उनके अनुसार, लॉन्ग मार्च को केवल अस्थायी रूप से रोका गया है ताकि मृतकों का अंतिम संस्कार किया जा सके और घायलों का उपचार कराया जा सके। उन्होंने कहा कि इसके बाद आंदोलन पहले से अधिक व्यापक स्तर पर दोबारा शुरू किया जाएगा। हालांकि, JAAC द्वारा जारी मृतकों और घायलों के आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पाकिस्तान सरकार की ओर से भी इन दावों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

फीचर

सीक्विन लहंगे में वाणी कपूर का स्टनिंग अवतार, तस्वीरें देख फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड की सबसे फिट और ग्लैमरस अभिनेत्रियों में से एक, वाणी कपूर अक्सर अपने फैशन सेंस से लोगों को हैरान कर देती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उनका अब तक का सबसे बोल्ड और एलीगेंट रूप देखने को मिल रहा है। तस्वीरों में वाणी कपूर ने एक शानदार को-ऑर्ड स्टाइल या मॉडर्न लहंगे को कैरी किया है, जो न्यूड-रोज गोल्ड या मैटेलिक टोन में है। इसके साथ उन्होंने एक डीपनेक चोली कैरी की है। वाणी की चोली में एक प्लंजिंग डीप नेकलाइन है, जिसे एक मैचिंग एम्बेलिश्ड चोकर कॉलर नेकलाइन के साथ जोड़ा गया है। यह ब्लाउज पूरी तरह से चमकीले सीक्विंस, बीड्स और क्रिस्टल वर्क से सजा हुआ है, जो उनके टोंड मिड्रिफ को बखूबी फ्लॉन्ट कर रहा है।इसके साथ उन्होंने मैचिंग मरमेड-कट स्टाइल वाली फिटेड स्कर्ट पहनी है, जिस पर वर्टिकल सीक्विंस की स्ट्राइप्स बनी हैं जो बॉडी को बेहद अट्रैक्टिव शेप दे रही हैं। साथ में अटैच्ड केप या फ्लोइंग मैचिंग शीयर दुपट्टा उनके लुक में एक रॉयल और ड्रामा टच जोड़ रहा है।वाणी ने अपने लुक को कॉम्प्लीमेंट करने के लिए बालों को सॉफ्ट और वोल्यूमिनस वेव्स में खुला रखा है। उन्होंने ग्लॉसी मेकअप के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। तस्वीरों में वाणी एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं।

खोसला का घोसला 2 में दिव्या खोसला कुमार हुई शामिल, 28 अगस्त को सिनेमाघरों का रुख करेगी

दिव्या खोसला कुमार को आखिरी बार फिल्म एक चतुर नार (2025) में देखा गया था। ताजा अपडेट है कि वह दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर की आगामी फिल्म खोसला का घोसला 2 से जुड़ गई हैं। इस बात का ऐलान खुद निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा करते हुए किया और बताया कि 2006 में रिलीज हुई मूल फिल्म का सीक्वल अपने साथ पुराने और कई नए चेहरों को लाएगा। इसका निर्माण टी-सीरीज फिल्म्स और तांडव फिल्म्स ने मिलकर किया है।

नए कलाकारों की कास्टिंग पर बात करते हुए निर्माता सविता हीरेमठ ने कहा, इस बार खोसला के घर में नए कलाकार शामिल हुए हैं, दिव्या खोसला और रवि किशन। दोनों ने हमें टीम के तौर पर बहुत प्रभावित किया है और मुझे यकीन है कि वे आप सभी का भी मनोरंजन करेंगे। फिल्म में नए युवा कलाकारों को देखकर हम उत्साहित हैं और जल्द ही दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं।खोसला का घोसला 2 के नए कलाकारों में दानिश इकबाल, निशांत वर्मा और कंगन बरुआ नांगिया भी शामिल हैं।वहीं पुराने कलाकारों के रूप में अनुपम, बोमन ईरानी, प्रवीण डबास, रणवीर शौरी, तारा शर्मा और किरण जुनेजा जैसे कलाकार वापसी कर रहे हैं।प्रशांत भागिया द्वारा निर्देशित पारिवारिक ड्रामा, हास्य और रोजमर्रा की उथल-पुथल पर आधारित ये फिल्म 28 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

पूरे दिन कब और कितना पानी पीना चाहिए? जानिए सही समय और मात्रा

पानी का सेवन शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है। यह न केवल हमारे शरीर को तरलता देता है, बल्कि कई अन्य सेहत से जुड़े फायदे भी प्रदान करता है। सही समय पर और सही मात्रा में पानी पीना बहुत अहम है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि पूरे दिन में कितनी मात्रा में पानी पीना चाहिए और कब पीना चाहिए, जिससे आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकें।

सुबह उठते ही पानी पीने का महत्व

सुबह उठते ही एक गिलास पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है। इससे आपके शरीर की सफाई होती है और रातभर की नींद के बाद शरीर को नई ऊर्जा मिलती है।यह आदत पाचन तंत्र को भी सक्रिय करती है और दिनभर की गतिविधियों के लिए आपको तैयार करती है। इसके अलावा यह त्वचा को ताजगी देता है और शरीर को तरलता बनाए रखता है।इस आदत को अपनाकर आप अपने दिन की शुरुआत एक स्वस्थ तरीके से कर सकते हैं।

नाश्ते से पहले पानी पीना

नाश्ते से पहले पानी पीना भी एक अच्छा तरीका है। इससे आपके पाचन तंत्र की कार्यक्षमता बढ़ती है और खाना अच्छे से पचता है।यह आदत आपके शरीर की ऊर्जा को बढ़ाती है, जिससे वजन नियंत्रित करना आसान होता है। इसके अलावा यह आपके शरीर को तरलता प्रदान करता है और आपको ऊर्जा देता है।नाश्ते से पहले पानी पीने से शरीर की हानिकारक चीजों को बाहर निकालने की क्षमता भी बढ़ती है।

दोपहर के भोजन के बाद पानी पीना

दोपहर के भोजन के बाद पानी पीना भी बहुत जरूरी है। इससे आपके भोजन का पाचन बेहतर होता है और पेट साफ रहता है।यह आदत आपके शरीर की तरलता बनाए रखती है और दिनभर की थकान को दूर करती है। इसके अलावा यह आपके शरीर की ऊर्जा को बढ़ाती है, जिससे वजन नियंत्रित करना आसान होता है।

दोपहर के भोजन के बाद पानी पीने से शरीर की हानिकारक चीजों को बाहर निकालने की क्षमता भी बढ़ती है।

शाम के समय पानी पीना

शाम के समय एक गिलास पानी पीना आपके शरीर को ताजगी देता है और दिनभर की थकान को दूर करता है। इससे आपकी त्वचा भी चमकदार रहती है और शरीर तरलता बनाए रखता है।यह आदत आपके शरीर की ऊर्जा को बढ़ाती है, जिससे वजन नियंत्रित करना आसान होता है।इसके अलावा शाम के समय पानी पीने से शरीर की हानिकारक चीजों को बाहर निकालने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे आप स्वस्थ महसूस करते हैं।

सोने से पहले पानी पीना

सोने से पहले थोड़ा-सा पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि इससे रातभर आपके शरीर में पानी की कमी नहीं होती और सुबह उठते ही ताजगी महसूस होती है।यह आदत आपके पाचन तंत्र को भी सक्रिय करती है और रातभर की नींद के बाद शरीर को नई ऊर्जा मिलती है।

फ्रिज में सामान रखते समय न करें ये 5 गलतियां, जल्द खराब हो सकता है खाना

फ्रिज का इस्तेमाल लंबे समय तक खाने को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है। हालांकि, कई लोग खाने को फ्रिज में रखने के लिए कुछ भी करने लगते हैं, जिसके कारण खाना जल्दी खराब हो जाता है या इसका स्वाद बिगड़ जाता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपका खाना ताजा बना रहे और जल्द ही खराब न हो।

दूध को अन्य चीजों के साथ रखना

दूध को फ्रिज में रखने के लिए सबसे ऊपर वाली जगह सबसे सही मानी जाती है। हालांकि, अगर आप दूध को फ्रिज में अन्य चीजों के साथ रखते हैं तो इससे दूध के जल्दी खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।अन्य चीजें, खासतौर से मसाले और खट्टे खाद्य पदार्थों से दूध की महक आ सकती है, जिससे इसका स्वाद बिगड़ सकता है। इसलिए, दूध को हमेशा फ्रिज की सबसे ऊपर वाली शेल्फ पर रखें।

फ्रिज को ज्यादा भरा रखना

फ्रिज को जरूरत से ज्यादा भरना भी एक बड़ी गलती है।

अगर आप अपने फ्रिज को जरूरत से ज्यादा भर देते हैं तो इससे ठंडी हवा के प्रवाह में रुकावट आती है, जिसके कारण कुछ चीजें सही से ठंडी नहीं हो पाती हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं।इसके अलावा खाना जल्दी खराब होने लगता है। इसलिए, फ्रिज को जरूरत से ज्यादा न भरें

और इसमें ऐसी चीजें न रखें, जिनके लिए इसे न बनाया गया हो।

कटी हुई सब्जियों को ढक्कन वाले डिब्बे में न रखना

अगर आप कटी हुई सब्जियों को फ्रिज में किसी भी डिब्बे में रख देते हैं तो ऐसा करने से उनका स्वाद बिगड़ सकता है। इससे बचने के लिए कटी हुई सब्जियों को एक ढक्कन वाले डिब्बे में रखें।इसके अलावा कटी हुई सब्जियों के साथ पानी का एक छोटा-सा डिब्बा भी डालें। इससे वे ताजा बनी रहेंगी।सब्जियों को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए यह तरीका अपनाना फायदेमंद होगा।

स्टोर में रखे फल और सब्जियों को फ्रिज में रखना

अगर आप फल और सब्जियों को स्टोर में रखकर उन्हें फ्रिज में रखते हैं तो ऐसा करने से बचें, क्योंकि इससे फल और सब्जियां खराब हो सकती हैं।दरअसल, स्टोर में रखी फल और सब्जियों पर कीटनाशकों के अंश हो सकते हैं। ऐसे में जब आप उन्हें काटेंगे तो कीटनाशक का जहर आपके खाने में मिल सकता है, जिससे आपको कई बीमारियां हो सकती हैं।फल और सब्जियों को स्टोर में रखने के लिए सावधानी बरतें।

पत्तेदार सब्जियों को प्लास्टिक थैली में रखना

पत्तेदार सब्जियों को प्लास्टिक थैली में रखना भी एक बड़ी गलती है। इससे पत्तेदार सब्जियां जल्दी मुरझा जाती हैं।

इससे बचने के लिए पत्तेदार सब्जियों को किसी सूती कपड़े में लपेटकर फ्रिज में रखें। अगर आपके पास सूती कपड़ा न हो तो आप पत्तेदार सब्जियों को एक कागज की थैली में रख सकते हैं।

इसके अलावा पत्तेदार सब्जियों को किसी ढक्कन वाले डिब्बे में भी रखा जा सकता है, ताकि वे ताजा रहें।

समाधान सेल की सूचना पर अवैध शराब बेचते युवक गिरफ्तार, 35 पाव देशी मसाला शराब जब्त

दंतेवाड़ा,(आरएनएस)। जिले में संचालित समाधान सेल की हेल्पलाइन पर मिली सूचना के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफकार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 35 पाव देशी मसाला शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 3,500 है, जब्त की है। पुलिस के अनुसार, आमजनों की शिकायतों और आपराधिक गतिविधियों की सूचना पर त्वरित कार्रवाई के लिए जिले में समाधान सेल शुरू किया गया है। हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 पर कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से मिलने वाली सूचनाओं के आधार पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में 29 जुलाई 2026 को समाधान सेल में मिली सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस टीम ने ग्राम ढाबाडीह में घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से शराब बेच रहे एक युवक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नारद ध्रुव (23 वर्ष), निवासी ग्राम ढाबाडीह, थाना सिटी कोतवाली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 35 पाव देशी मसाला शराब जब्त की। आरोपी के खिलाफथाना सिटी कोतवाली में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दंतेवाड़ा में लगातार बारिश से जन जीवन प्रभावित

दंतेवाड़ा, (आरएनएस)। मानसून की लगातार हो रही भारी बारिश से छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर)जिले का जन -जीवन भी काफी प्रभावित हुआ है. जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा और आसपास के इलाकों में कल शाम से हो रही बारिश आज 29 जुलाई की शाम भी जारी है. शहर के नज़दीक बहने वाली शंखिनी और डंकिनी नदियाँ शाम को लबालब नज़र आ रही थीं. जिले के अन्य बरसाती नदी नालों में भी जल स्तर काफी बढ़ गया है शहर की सड़कें लगभग वीरान नज़र आ रही हैं, लेकिन कुछ कामकाजी लोग छतरी ओढ़कर और रेनकोट पहनकर पैदल और कुछ बाइक में भी रेनकोट पहनकर आते -जाते दिखाई दिए. स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति कम थी. हालांकि सरकारी दफ्तर आम दिनों की तरह खुले हुए थे और उनमें शासकीय काम काज सामान्य रूप से चल रहा था.बाज़ार और दुकानों में ग्राहक काफी कम नज़र आए. बारिश के चलते कारोबार अन्य दिनों की तुलना में आज काफी कमजोर रहा. इससे कारोबारी निराश नज़र आए. कुछ लोग छोटे होटलों में चाय भजिए का स्वाद लेते हुए और कुछ लोग अन्य दुकानों की छतों के नीचे खड़े होकर बारिश के थमने का इंतज़ार कर रहे थे. मौसम विभाग की चेतावनी के मद्दे नज़र प्रशासन ने सभी लोगों से सतर्क रहने की अपील की है.प्रशासनिक अमले को भी सचेत कर दिया गया है.वैसे जिला मुख्यालय में आज रात 7.45बजे की स्थिति में बादलों का बरसना काफी कम हो गया था।

बाघ की खाल के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार, सूरजपुर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

सूरजपुर(आरएनएस)। दिनांक 27.07.2026 को भोपाल से दूरभाष के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि आपके वनमण्डल अंतर्गत वन्यप्राणी के खाल एवं अन्य अवशेष (शल्क) तस्करी होने की संभावना है। तत्पश्चात् वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर द्वारा दिनांक 27.07.2026 को वनकर्मी रमेश सिंह, मनोज जायसवाल, महेन्द्र प्रसाद, सत्यप्रकाश, राजाराम, अजय राजवाड़े एवं भोपाल के सदस्यों की दो संयुक्त टीम गठित कर प्राप्त सूचना के आधार पर घेराबंदी करने के निर्देश देते हुये के कर्मचारियों के साथ ज्वाईन्ट सर्च ऑपरेशन चलाया गया।.

एक टीम भोपाल के साथ एवं दूसरी टीम को प्राप्त लोकेशन वनपरिक्षेत्र सूरजपुर एवं कुदरगढ़ की ओर रवाना किया गया। संदिग्धों का पता चलने पर दोनो टीमों द्वारा ओड़गी-भैयाथान मार्ग में ग्राम वैजनाथपुर के पास धरसेड़ी रोड पर घेराबंदी किया गया। घेराबंदी के दौरान तीन व्यक्तियों को संदेह के आधार पर रोक कर भैयाथान की ओर आते हुये पाये जाने पर व प्राप्त सूचना तथा हुलिया के आधार पर पूछताछ किया गया। उनके हावभाव को देखते हुये उनके पास रखे हुये सामानो की तलाशी लिये जाने पर, तलाशी के दौरान बाघ का खाल (मांस) एवं वन्यजीव पैगोलिन का शल्क (स्केल) बरामद हुआ। तीनो व्यक्तियो से मौके पर बाघ का खाल (मांस) एवं वन्यजीव पैगोलिन का शल्या (स्केल) के संबंध में पूछताछ किया गया। अभियुक्त 1-टिकेश्वर प्रसाद राजवाड़े आ. रामकिशुन राजवाडे, जाति-रजवार, उम्र-38 वर्ष, साकिन-धरसेड़ी (नावापारा), थाना-ओड़गी, जिला-सूरजपुर (छ.ग.). 2-भुखनलाल आ. रानलाल, जाति-पण्डो, उम्र लगभग 56 वर्ष, साकिन भंवरखोह (आगापान), थाना-ओड़गी, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) 3-गरीबलाल आ. रामदयाल, जाति पण्डो, उम्र लगभग 58 वर्ष, साकिन-साकिन-भंवरखोह (आमापानी), थाना-ओड़गी, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) से बाघ का खाल (नांस) एवं वन्यजीव पैगोलिन का शल्क (स्केल) बरामद हुआ।

बाघ का खाल (गांस) एवं वन्यजीव पैगोलिन का शल्क (स्केल) एवं उपयोग किये गये मोटर सायकिल होण्डा साईन पंजीयन क्र., सी.जी.-15 डी.एन. 7494 कि जप्ती की कार्यवाही करते हुये मौका पंचनामा दर्ज किया जाकर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 809/24 दिनांक 28.07.2026 पंजीबद्ध किया गया एवं बरामद बाघ का खाल (मांस) एवं वन्यजीव पैगोलिन का शल्क (स्केल) को पॉलिथिन बैग में सील पैक (चपड़ा से) किया गया।

(रायपुर) सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान पर निकाली गयी स्वच्छता जनजागरूकता रैली,जन- जन को दिया गया सकारात्मक स्वच्छता सन्देश।

श्रावण मास का शुभारंभ, शिवालयों में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचने लगे श्रध्दालु

धमतरी, (ए.)। श्रवण नक्षत्र और आयुष्मान शुभ योग के साथ गुरुवार से पवित्र श्रावण मास का शुभारंभ हो गया। भगवान शिव को समर्पित इस पावन महीने के पहले ही दिन नगर के शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही भक्त जल, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प लेकर शिवलिंग के जलाभिषेक के लिए कतारों में खड़े नजर आए। मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष और शिवभक्ति के वातावरण से गूंज उठे।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्रावण मास का प्रत्येक दिन भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इसी पावन मास में देवी पार्वती की कठोर तपस्या और अटूट भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया था। इसी कारण सावन का महीना शिव-पार्वती की आराधना, व्रत, जप, दान और पूजा-अर्चना के लिए विशेष फलदायी माना जाता है।इस वर्ष सावन का आरंभ 30 जुलाई को शुभ योग में हुआ है, जबकि इसका समापन 28 अगस्त को होगा। सावन के प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, दुग्धाभिषेक और विशेष श्रृंगार का आयोजन किया जाएगा। नगर के बूढ़ेश्वर मंदिर, बनियापारा स्थित महाकालेश्वर मंदिर, रूद्री के रूद्रेश्वर महादेव मंदिर, ओनाकोना स्थित त्र्यंबकेश्वर महादेव मंदिर सहित जिले के प्रमुख शिवालयों में विशेष सजावट और पूजा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।श्रद्धालु पूरे सावन माह में परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और मंगलकामना के लिए भगवान शिव की आराधना करेंगे। धार्मिक आयोजनों, भजन-कीर्तन और शिव महिमा के गान से पूरा नगर शिवमय रहेगा। सावन का प्रथम सोमवार 3 अगस्त, द्वितीय सोमवार 10 अगस्त, तृतीय सोमवार 17 अगस्त तथा चतुर्थ सोमवार 24 अगस्त को रहेगा। 17 अगस्त को नाग पंचमी के अवसर पर भी मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन और पूजन की तैयारियां की जा रही हैं।

कृत्रिम अंगों से बदलेगी जिंदगीः बीजापुर के पांच दिव्यांगजन जल्द उठाएंगे आत्मनिर्भरता की नई उड़ान

बीजापुर,(आरएनएस)। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत समर्थ-जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, एजुकेशन सिटी बीजापुर में जिला स्तरीय दिव्यांगजन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिव्यांगजनों के पुनर्वास एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण एवं मूल्यांकन किया गया। शिविर में जिला दंतेवाड़ा से आए कृत्रिम अंग विशेषज्ञों ने बीजापुर जिले के पांच दिव्यांगजनों का कृत्रिम हाथ एवं पैर लगाए जाने के लिए विस्तृत परीक्षण किया। विशेषज्ञों द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर चयनित हितग्राहियों को आगामी माह में उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृत्रिम हाथ एवं पैर उपलब्ध कराए जाएंगे। कृत्रिम अंग मिलने से दिव्यांगजन अपने दैनिक कार्य अधिक सहजता और आत्मविश्वास के साथ कर सकेंगे। इससे न केवल उनकी गतिशीलता बढ़ेगी, बल्कि वे आत्मनिर्भर बनकर सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय सहभागिता निभा सकेंगे।

नीट पर युवाओं की हितैषी बनने का पाखंड कर रही कांग्रेस : गौरीशंकर श्रीवास

सीजी-पीएससी घोटाले पर भाजपा का हमला, कहा- युवाओं के भविष्य के साथ हुआ बड़ा षड्यंत्र

रायपुर, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजी-पीएससी) घोटाले और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई कथित भर्ती अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। भाजपा प्रदेश कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि सीजी-पीएससी घोटाला केवल भ्रष्टाचार का मामला नहीं, बल्कि प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ किया गया बड़ा षड्यंत्र है।

श्रीवास ने कहा कि तत्कालीन सीजी-पीएससी अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी की ईडी और सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी यह दर्शाती है कि मामले की गंभीरता को जांच एजेंसियां पूरी गंभीरता से देख रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के कारण सीबीआई और ईडी इस पूरे मामले की परत-दर-परत जांच कर रही हैं।

राहुल गांधी और कांग्रेस पर साधा निशाना

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में जब युवाओं ने कथित अनियमितताओं के सबूत प्रस्तुत किए, तब उन्हें नजरअंदाज किया गया। उन्होंने दावा किया कि बिलासपुर यात्रा के दौरान राहुल गांधी को भी युवाओं ने सीजी-पीएससी घोटाले से जुड़े दस्तावेज दिए थे, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कांग्रेस से युवाओं से माफी मांगने की मांग की।

खेल समाचार

मेलबर्न के महानायक' अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट को कहा अलविदा, 15 साल के सुनहरे सफर पर लगा पूर्ण विराम

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शुमार और ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत के नायक अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समेत सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी। उनके इस फैसले के साथ भारतीय क्रिकेट के एक यादगार अध्याय का अंत हो गया।

रहाणे ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा करते हुए अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, कैप नंबर 278... अब यहीं तक। वर्षों तक मिले आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा। अजिंक्य रहाणे ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 मुकाबले खेले। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफथा। शांत स्वभाव, तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाजी और कठिन परिस्थितियों में टीम को संभालने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का एक खास खिलाड़ी बनाया। रहाणे को क्रिकेट प्रेमी आज भी 'मेलबर्न का हीरो' के नाम से याद करते हैं। 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडिलेड टेस्ट की हार के बाद उन्होंने मेलबर्न में शानदार शतक जड़कर टीम इंडिया में नया आत्मविश्वास भरा। उनकी कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया, जिसे भारतीय क्रिकेट की सबसे महान टेस्ट जीतों में गिना जाता है।

ग्लास्गो में नीरज की दमदार वापसी, फाइनल की ओर बढ़े गोल्डन बॉय; रोहित और यशवीर ने भी दिखाई चुनौती

ग्लास्गो, (आरएनएस)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुष भालाफेंक स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। लंबे समय बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में वापसी कर रहे नीरज ने तीन प्रयासों में अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो 79.61 मीटर का दर्ज किया। उनके साथ भारतीय खिलाड़ी रोहित यादव और यशवीर सिंह ने भी संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया।

क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 18 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जबकि फाइनल के लिए 12 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को जगह मिलनी थी। 84 मीटर का थ्रो सीधे फाइनल का टिकट था, लेकिन यह दूरी पार नहीं होने की स्थिति में सर्वश्रेष्ठ 12 खिलाड़ियों का चयन होना था।

नीरज ने अपने पहले प्रयास में 76.28 मीटर का थ्रो किया। दूसरे प्रयास में उन्होंने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 79.61 मीटर तक भाला फेंका, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास रहा। तीसरे प्रयास की जरूरत नहीं पड़ी और वह फाइनल की दौड़ में मजबूत स्थिति में दिखाई दिए।

भारत के रोहित यादव ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 77.04 मीटर और दूसरे प्रयास में 78.37 मीटर का थ्रो किया। वहीं यशवीर सिंह ने पहले प्रयास में 73.89 मीटर, दूसरे में 74.45 मीटर और तीसरे प्रयास में 78.36 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया।

क्वालिफिकेशन राउंड में श्रीलंका के रुमेश थरंगा 82.84 मीटर के साथ शीर्ष पर रहे। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 81.29 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डू स्मिट और इंग्लैंड के बेन ईस्ट ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 78.63 मीटर के साथ शुरुआत की, लेकिन दूसरे प्रयास में फाउल करने के बाद तीसरे प्रयास में 75.65 मीटर ही फेंक सके। नीरज चोपड़ा के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स हमेशा खास रहे हैं। 2018 गोल्ड कोस्ट खेलों में उन्होंने 86.47 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीतते हुए इतिहास रचा था। चोट के कारण 2022 संस्करण से बाहर रहने के बाद अब वह आठ साल बाद इस प्रतियोगिता में लौटे हैं। पिछले एक वर्ष में पीठ की चोट से जूझने के बावजूद नीरज ने अपनी तकनीक और फिटनेस पर कड़ी मेहनत की है। अब उनका लक्ष्य सिर्फ फाइनल में जगह बनाना नहीं, बल्कि एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतकर यह साबित करना है कि भारतीय एथलेटिक्स का 'गोल्डन बॉय' अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में लौट चुका है।

भगवा जर्सी पर छिड़ी बहसः पूर्व कप्तान ने उठाए सवाल, हॉकी इंडिया ने बताया बदलाव का कारण

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय हॉकी टीम की नई भगवा (ऑरेंज) जर्सी लॉन्च होते ही इसे लेकर खेल जगत में बहस शुरू हो गई है। पुरुष और महिला हॉकी विश्व कप से पहले जारी की गई इस नई जर्सी पर पूर्व भारतीय कप्तान वीरेन रासक्विन्हा ने सवाल उठाते हुए कहा कि यह टीम की पारंपरिक पहचान से मेल नहीं खाती। वहीं हॉकी इंडिया ने इस बदलाव को पूरी तरह तकनीकी और खिलाड़ियों की जरूरतों से जुड़ा फैसला बताया है।

वीरेन रासक्विन्हा ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारतीय हॉकी टीम की सबसे बड़ी पहचान उसकी नीली जर्सी रही है। उनके अनुसार, राष्ट्रीय टीम की जर्सी का रंग बार-बार बदलना उचित नहीं है और इससे टीम की विशिष्ट पहचान प्रभावित हो सकती है।

हालांकि, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस आलोचना का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नई ऑरेंज जर्सी किसी राजनीतिक या अन्य कारण से नहीं, बल्कि खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफके सुझाव पर तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि नीले रंग के टर्फपर ऑरेंज जर्सी खिलाड़ियों को अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जिससे मैदान पर पासिंग, मूवमेंट और तालमेल बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

हॉकी इंडिया के अनुसार, टीम की पारंपरिक नीली जर्सी पूरी तरह खत्म नहीं की गई है। प्रतियोगिता और मैचों की जरूरत के अनुसार अलग-अलग रंगों की जर्सी का उपयोग किया जाएगा, जबकि नई ऑरेंज जर्सी विशेष परिस्थितियों में खिलाड़ियों की दृश्यता बढ़ाने के उद्देश्य से अपनाई गई है।

एक हाथ खोया, हौसला नहीं... दिलीप गावित बने देश के 'गोल्डन बॉय', रचा नया इतिहास

ग्लास्गो, (आरएनएस)। कठिन परिस्थितियां किसी इंसान के सपनों को रोक नहीं सकतीं, अगर उसके इरादे मजबूत हों। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं महाराष्ट्र के पैरा एथलीट दिलीप महादू गावित, जिन्होंने बचपन में एक हादसे में अपना एक हाथ खो दिया, लेकिन कभी हार नहीं मानी। वर्षों की मेहनत और संघर्ष के दम पर उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया।

महाराष्ट्र के एक साधारण किसान परिवार में जन्मे दिलीप गावित का बचपन आर्थिक तंगी और चुनौतियों के बीच बीता। बचपन में हुए एक दर्दनाक हादसे में उनका एक हाथ चला गया। इस घटना ने उनकी जिंदगी बदल दी, लेकिन उन्होंने अपनी कमजोरी को कभी अपनी पहचान नहीं बनने दिया।गांव की पगडंडियों और खेतों में दौड़ते-दौड़ते दिलीप की रफ्तार ने उन्हें एथलेटिक्स की दुनिया तक पहुंचा दिया। लगातार अभ्यास, अनुशासन और मजबूत आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बनाई। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में दिलीप गावित ने अपनी शानदार दौड़ से इतिहास रच दिया। उन्होंने न सिर्फ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि नया गेम्स रिकॉर्ड भी स्थापित किया। उनकी इस उपलब्धि ने भारतीय पैरा खेलों को नई पहचान दिलाई और करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का संदेश दिया।

दिलीप गावित की कहानी बताती है कि सफलता शरीर की ताकत से नहीं, बल्कि मजबूत इरादों और अटूट आत्मविश्वास से हासिल होती है। एक हाथ खोने के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को उड़ान दी और आज वे देश के नए 'गोल्डन बॉय' बनकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा कर रहे हैं।

गावित के गोल्ड से चमका भारत, 15 पदकों के साथ टॉप-10 में बरकरार; जानिए किसने जीता कौन-सा मेडल

ग्लास्गो, (आरएनएस)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सातवें दिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की झोली में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जोड़े। पैरा एथलीट दिलीप महादू गावित की ऐतिहासिक स्वर्णिम जीत ने भारत का गौरव बढ़ाया, जबकि अन्य खिलाड़ियों के रजत पदकों ने कुल पदक संख्या को 15 तक पहुंचा दिया।

सातवें दिन के मुकाबलों के बाद भारत के खाते में अब 3 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य पदक हैं। इसी के साथ भारतीय दल पदक तालिका में आठवें स्थान पर कायम है। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार बेहतर प्रदर्शन से आने वाले दिनों में पदकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।दिन की सबसे बड़ी सफलता दिलीप गावित के नाम रही। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ स्वर्ण पदक जीता, बल्कि नया गेम्स रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उनकी इस उपलब्धि ने पूरे देश को गौरवान्वित किया।

इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने दो अन्य स्पर्धाओं में रजत पदक जीतकर देश की झोली और भर दी। इन पदकों की बदौलत भारत ने शीर्ष-10 देशों में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: श्रीशंकर ने लंबी कूद में जीता रजत, एथलेटिक्स में भारत की चमक बरकरार

ग्लासगो, (आरएनएस)। भारत के स्टार लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्थानीय समयानुसार बुधवार को पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने बर्मिंघम 2022 में जीते गए रजत पदक की सफलता को दोहराया और लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के पोडियम पर जगह बनाई।27 वर्षीय श्रीशंकर ने अपने छह प्रयासों में दूसरे प्रयास में 8.09 मीटर की छलांग लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि दो प्रयास फाउल रहे, लेकिन पूरे मुकाबले में वह पदक की दौड़ में बने रहे। स्वर्ण पदक जमैका के तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ताजे गेल ने जीता। गेल ने चौथे प्रयास में 8.15 मीटर की छलांग लगाकर मुकाबले पर निर्णायक बढ़त बना ली। उनका यह प्रदर्शन पूरे मुकाबले का सर्वश्रेष्ठ रहा। स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंज़ी ने पहले ही प्रयास में 8.08 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी लोकेश सत्यनाथन ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 7.97 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। श्रीशंकर पूरे मुकाबले के दौरान बेहतरीन लय में दिखाई दिए और स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार बने रहे, लेकिन अनुभवी जमैकाई खिलाड़ी ताजे गेल ने निर्णायक क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मार ली।श्रीशंकर का यह रजत पदक राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के एथलेटिक्स अभियान के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय एथलेटिक्स की लगातार बढ़ती मजबूती का प्रमाण भी है।

कुदरत की मार खेती पर, बादल आ रहे बिन बरसे जा रहे, किसानों को तरसा रहे

सोयाबीन बोकर पछता रहे अन्नदाता, आसमान तकते हुए की जा रही प्रार्थना

नर्मदापुरम(निप्र)। जून के प्रथम और दूसरे सप्ताह में रूक-रूक कर बारिश होने से किसानों ने खरीफ की बोवनी शुरू कर दी थी। जिले में ही 90 हजार हेक्टेयर में बोवनी हो चुकी है। बीते सप्ताह से हल्की बारिश ही हो रही। बूंदाबांदी होकर रह जाती है। किसानों का कहना है कि वर्तमान में तेज बारिश की आवश्यकता है बादल आते हैं। तरसा कर चले जाते हैं। इससे किसानों में निराशा छाई हुई है। हर दिन आसमान में टकटकी लगाए हुए हैं। बारिश की खेंच ने चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग गर्जना के साथ बारिश की संभावना बता रहा है।

मौसम का बदला हुआ है मिजाज

मौसम का मिजाज कुछ बदला हुआ सा है कभी आसमान में बादल छा रहे तो कभी तेज धूप खिल रही है। संभाग सहित कई जिलों में बारिश पर ब्रेक लग गया है। प्रतिदिन ऐसे बादल छा जाते है जिससे लगता है कि आज तेज बारिश होगी। लेकिन कुछ ही देर में बादल गायब हो जाते हैं।

बारिश की हो रही प्रतीक्षा

बोवनी कर चुके तथा जिन्हें बोवनी करना है वे किसान बारिश के इंतजार कर रहे हैं। किसान रोज आसमान की ओर निहार रहे हैं आसमान में रोज छा रहे बादलों के कारण प्रतिदिन आशा भी बंध रही है कि आज बारिश होगी। प्रतिदिन उम्मीदों के बादल छा रहे आ रहे जा रहे हैं लेकिन बरसने के बजाय उमस बढ़ाकर बढ़ा रहे हैं।

क्या कहते हैं किसान पानी देना पड़ रहा है

हमने पूर्व में ही धान का रौपा लगा दिया था। रोपा तैयार होने के बाद धान लगाना भी शुरू कर दिया है। अब धान के गटा में पानी की कमी होने से ट्यूबवेल से पानी भरना पड़ रहा है। लेकिन तापमान कम होना चाहिए तापमान बढ़ा हुआ है। इससे धान की फसल को नुकसान हो रहा है।

सुदीप गौर उन्नतशील किसान

सोयाबीन हो गया खराब

धान के साथ ही सोयाबीन की बोवनी की गई थी। धान को पानी देकर बचाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन सोयाबीन का बीज जैसे-तैसे करके बड़ी मुश्किल से मिला था वह इतनी अधिक गर्मी के कारण बीज खराब हो गया। अब दूसरा मिलना मुश्किल है। इसलिए सोयाबीन से फिर धोखा मिला।

नरेंद्र पटेल, उन्नतशील किसान

तेज गर्जना और तेज हवा से लग रहा था कि तेज बारिश होगी

बूंदाबांदी हुई, तेज बारिश ही हो रही प्रतिक्षा

नर्मदापुरम। इटारसी। डोलरिया। बीते एक पखवाड़े से तेज बारिश का इंतजार हो रहा है। शुक्रवार को भी यही लग रहा था कि अब तेज बारिश होगी। शाम को घने बादल छाने के साथ ही गर्जना के साथ हवा भी तेज चलने लगी। करीब आधा घंटा तक इस प्रकार का मौसम हो गया कि अब तो तेज बारिश होना ही है। लेकिन कुछ देर बाद आंधी के साथ गर्जना भी बंद हो गई। बारिश हल्की हुई। लेकिन ऐसा अभी भी लग रहा है कि आज या कल में तेज बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग भी यही संभावना व्यक्त कर रहा है। नर्मदांचल सहित सभी किसानों को बारिश का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। नागरिकों को भी गर्मी और उमस के चलते बारिश की प्रतीक्षा हो रही है। बारिश नहीं होने से हाल ही में हुई खरीफ मौसम की फसलों को नुकसान होना शुरू हो गया है। कुछ क्षेत्रों में शनिवार को तथ कुछ क्षेत्रों में रविवार को हुई हल्की बारिश ने राहत दी है। लेकिन जिस प्रकार गर्मी और उमस का वातावरण बना हुअ है। उसके अनुसार तो तेज बारिश से ही राहत मिल सकेगी। हल्की बारिश होने पर तो और ज्यादा उमस सताने लगती है।

नपाध्यक्ष और सीएमओ ने की जनसुनवाई

पीएम आवास की लिस्ट में नाम जोड़ने, समग्र आईडी में नाम सही कराने आए आवेदन

नर्मदापुरम(निप्र)। प्रति गुरूवार को होने वाली जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। गुरूवार को नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में पीएम आवास की लिस्ट में नाम जोड़नेए समग्र आईडी में नाम सही करानेए जल निकासीए पेयजल संबंधि पेंशन चालू कराने राशन कार्ड समर्पण करने आदि आवेदनों का तत्काल निराकरण कराया गया। आवदेकों की ऑन दा स्पाट समस्या का समाधान हो जाने पर वे खुशी खुशी लौटे। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। नपाध्यक्ष ने सख्त निर्देश दिए गए हैं कि जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों का संतुष्टिपूर्ण समाधान होना चाहिए। जनसुनवाई में उपयंत्री दीक्षा तिवारी, मुकेश जैन, आयुषी रिछारिया, स्वच्छ भारत अभियान के नोडल अधिकारी अनुराग तिवारी, पार्षदगण दुर्गेश चौधरी, नरेंद्र पटेल, बिंदिया मांझी, दीपिका कुलदीप राठौर, कंचन सेट्टी चौकसे आदि उपस्थित थे।

शाम होते ही व्हीआईपी सड़क पर बढ़ने लगता है जाम

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर की व्हीआईपी सहित अनेक सड़कों पर शाम होने के साथ ही जाम की नौबत बनने लगती है। यहां पर जाम लगने के कारणों में एक तो मार्गों पर जो हाथ ठेला लगते हैं। वे सड़क की साइड में लगने की बजाए सड़क पर ही लगने लगते हैं। जिससे दोनों ओर से सड़क संकरी हो जाती है। फिर शहर के अधिकांश लोग शाम को ही निकलते है। शासकीय कार्यालय बंद होने पर कर्मचारियों का अपनी घर की ओर लौटना होता है। शाम को ही सर्विस वाले लोग खरीददारी के लिए या सब्जी खरीदने के लिए निकलते हैं। पानी की टंकी से लेकर नेहरू चौक तक और सतरस्ते से लेकर रामजीबाबा समाधि तक जाम के कारण वाहन रूक-रूक कर निकल पाते है। ऐसे में यदि कोई गंभीर मरीज को जिला अस्पताल ले जाना हो तो यहां से जल्दी नहीं निकाला जा सकता है। विशेषकर सब्जी वाले और फलवालों के कारण बाजार अव्यस्थित बना हुआ है। जिसे सुधारपाना नपा और जिला प्रशासन को मुश्किल हो रहा है। या फिर प्रशासन सुधारना ही नहीं चाह रहा है। दूसरी और हरियाली चौराहा, मीनाक्षी सहित अनेक मार्गों पर हर दिन जाम की नौबत बन रही है।

गुरु पूर्णिमा महापर्व पर भजनांजली का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। सरगम सांस्कृतिक संस्था नर्मदापुरम में गुरु पादुका पूजन के साथ भजनॉजली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में वरिष्ठ कवि खेमचंद यादवेश डॉ हरिओम दीक्षित राकेश दुबे सोहन सिंह राजपूत अनूप तिवारी ने मां वीणा पाणी सरस्वती की पूजा उपरांत सरगम सांस्कृतिक संस्था के संस्थापक संगीताचार्य पं महेश तिवारी का गुरु पादुका पूजन किया। उन्हें साफ़ा शाल श्रीफल वस्त्र दक्षिणा भेंटकर स्वागत सम्मान किया। तत्पश्चात संस्था के अनेकों शिष्य गणों ने भी गुरु महाराज का पादुका पूजन कर भेंट अर्पित की। गुरुजी इस आयोजन में स्वास्थ्य खराब होने के कारण लखनऊ से सीधे वर्चुअली जुड़े रहे तथा सभी शिष्यों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में संस्था के बाल कलाकारों ने मां सरस्वती वंदना मां रेवा वंदना श्री गणेश वंदना के साथ भजनों की सुन्दर मनमोहक प्रस्तुति दी कार्यक्रम में सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिकता से ओत.प्रोत हो गया। भजनॉजली की श्रृंखला में राकेश दुबे सोहन सिंह राजपूत अनूप तिवारी अनेकों शिष्य ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में महाआरती कर प्रसादी वितरण किया गया। संचालन डॉ हरिओम दीक्षित चैतन्य ने किया आभार धन्यवाद अनूप तिवारी ने व्यक्त किया।

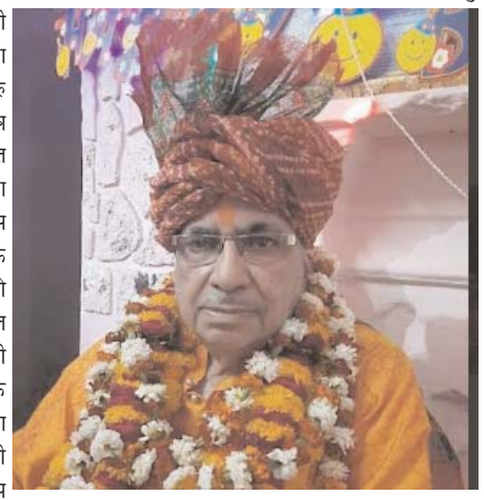

आज फिर हो जाएंगे अनेक अधिकारी कर्मचारी सेवानिवृत्त

भर्तियों हो न हो सेवानिवृत्ति तो हर माह हो ही रही है

नर्मदापुरम (निप्र)। आज फिर अनेक शासकीय कार्यालयों से कर्मचारी सेवानिवृत्त हो जाएंगे। भर्तियों हो न हो सेवानिवृत्ति तो हर माह हो ही रही है। हर माह की आखरी तारीख आने पर शासकीय विभागों में किसी न किसी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति हो रही है। विभागों के पास वैसे ही कर्मचारियों का टोटा बना हुआ है। इसके बाद हर माह और कम होते जा रहे हैं। अनेक विभागों में दर्जनों कर्मचारियों का विदाई समारोह होगा। उन्हें उनके कार्यकाल में दी गई सेवाओं के लिए शुभकामनाएं दी जाएंगी। शाल श्रीफल से सम्मान किया जाएगा। कर्मचारियों की आयु 62 वर्ष पूरी होने पर उन्हें विभाग की ओर से पुष्पमाला पहनाकर विदाई दी जाएगी। इस मौके पर कहा जाता है कि सेवानिवृत्ति एक शासकीय प्रक्रिया है। जिन शिक्षकों ने अपने जीवनकाल में बच्चों को ज्ञानार्जन कराया है। यह जीवन का श्रेष्ठ कार्य है। इसे बंद नहीं करना चाहिए अपने मोहल्ले के बच्चों को युवाओं को शिक्षा देते रहना चाहिए अपने जीवन के अनुभव से कनिष्ठों को लाभांवित करना चाहिए। ऐसा ही अन्य अनुभवी कर्मचारियों को याद करना चाहिए कि आज के दौर में शासकीय सेवा मिलना कितना कठिन कार्य है। आप लोगों ने जो सेवा की है जब तक आपसे बन सके विभाग को अपने अनुभव साझा करना चाहिए। कार्यालय में जाकर मार्गदर्शन देने में हर्ज क्या है। पेंशन लेने वालों को तो यह कार्य करना ही चाहिए। क्योंकि अब तो नए कर्मचारियों को पेंशन भी नहीं मिलना है।

प्रियंका हायर सेकेंडरी स्कूल में मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, शिक्षक. शिक्षिकाओं का हुआ सम्मान

नर्मदापुरम (निप्र)। मालाखेड़ी स्थित प्रियंका हायर सेकेंडरी स्कूल में गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत श्रद्धा गरिमा एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

विद्यालय के डायरेक्टर कृतिक शिवहरे के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा गुरु महिमा पर आधारित प्रेरणादायक भाषण, कविताएँ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। विद्यालय की प्राचार्या उमा शिवहरे ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने तथा उनके आदर्शों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन शालिनी राजपूत एवं त्रिलोक सिंह राजपूत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अनिल राठौर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान समस्त शिक्षक. शिक्षिकाओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम की सफलता में विद्यार्थियों एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का उल्लेखनीय एवं सराहनीय योगदान रहा।

त्यौहार एवं स्नान पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु

नर्मदापुरम (निप्र)। आगामी अगस्त माह में आने वाले प्रमुख त्यौहार/स्नान पर्व 09 अगस्त को विश्व आदिवासी जनजाति दिवस, 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 26 अगस्त को ईद-मिलाद-उन-नबी, 27 अगस्त को स्नानदान पूर्णिमा, 28 अगस्त को रक्षाबंधन एवं 29 अगस्त को कजलियां के अवसर पर अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम राजेश कुमार शुल्का ने कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु कार्यपालिक दण्ड अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। जारी आदेशानुसार अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम शुक्ला ने आकिप खान (आईएएस) अनुविभागीय दण्डाधिकारी पिपरिया, नीलेश शर्मा अनुविभागीय दण्डाधिकारी इटारसी, विजय राय अनुविभागीय दण्डाधिकारी सिवनी मालवा, देवेन्द्र प्रताप सिंह अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं नितिन कुमार टाले सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम तथा डॉ बबीता राठौर अनुविभागीय दण्डाधिकारी सोहागपुर की ड्यूटी लगाकर अपने-अपने अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले घाट, स्थलों पर कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा है।

श्रम प्रहरी बनें, असुरक्षित एवं अपंजीकृत औद्योगिक प्रतिष्ठानों की दें सूचना

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश में औद्योगीकरण एवं निर्माण गतिविधियों के निरंतर विस्तार के साथ औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों तथा वैधानिक प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासन द्वारा जनसहभागिता आधारित श्रम प्रहरी पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल का उद्देश्य अपंजीकृत अथवा असुरक्षित रूप से संचालित औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं निर्माण कार्यों की पहचान कर श्रमिकों, स्थानीय समुदाय तथा पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। श्रम विभाग द्वारा रजिस्टर्ड एमएएच (M A H) इकाइयों, फैक्टरियों एवं निर्माण कार्यों से संबंधित जियो-टैग की गई जानकारी सार्वजनिक की गई है, जिससे नागरिक बिना पंजीकरण वाले कार्यों एवं सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों की पहचान कर विभाग को इसकी सूचना दे सकें।

सीईओ जनपद पंचायत सिवनीमालवा ने किया 3 ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण, कर वसूली और पोर्टल एंट्री पर दिया जोर

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम हिमांशु जैन के निर्देशानुसार बुधवार को जनपद पंचायत सिवनी मालवा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती श्रुति चौधरी ने क्षेत्र की 3 ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत बुन्दरकला, टेमलाकला एवं चांदवाड में करारोपण की प्रगति और पंचायत दर्पण पोर्टल पर समग्र मैपिंग की स्थिति का जायजा लिया। उनका मुख्य उद्देश्य था कि ग्राम के प्रत्येक परिवार को करारोपण की प्रक्रिया से जोड़ा जाए और डाटा पोर्टल पर समय पर अपडेट हो। इस दौरान उनके साथ खंड पंचायत अधिकारी संजय तिवारी और पंचायत समन्वय अधिकारी अनिल पवार भी उपस्थित रहे।

नागद्वारी मेले से पहले आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 450 किलो महुआ लाहन और 70 लीटर कच्ची शराब जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम कलेक्टर सोमेश मिश्रा के अवैध शराब के निर्माण, विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देशों और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। पचमढ़ी में आयोजित होने वाले नागद्वारी मेले के मद्देनजर वृत पिपरिया की टीम ने बुधवार को पचमढ़ी क्षेत्र में आकस्मिक दबिश दी। यह कार्रवाई नालंदा टोला, बड़ा महादेव, हीवर, डीपी प्वाइंट से लेकर चौरागढ़ मंदिर तक, साथ ही पहली पायरी, डापका, नादिया जंक्शन, जलगली और नागफनी प्वाइंट पर की गई। आबकारी उपनिरीक्षक हितेश कुमार बिशोरिया के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 6 प्रकरण दर्ज किए गए। टीम ने मौके से 450 किलोग्राम महुआ लाहन और 70 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 59,000 रुपये आंकी गई है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी अभिलाष पाठक, अशोक माहोरे, आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पड़रिया, रघुवीर निमोदा, आरक्षक धर्मेंद्र बारंगे, गणपति बोबड़े, योगेन्द्र सिंह, सत्येंद्र, सारिका रघुवंशी, भावना यादव नगर एवं नव आबकारी आरक्षकों ने भूमिका निभाई। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. द्विवेदी ने बताया कि मेले के दौरान अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए आगे भी लगातार सघन चेकिंग और दबिश की कार्रवाई जारी रहेगी।

बंदी साधना अभियान ये जेन में आया है धार्मिक बदलाव

गुरु पूर्णिमा पर केंद्रीय जेल नर्मदापुरम में 355 बंदीयों ने ली गुरु दीक्षा

नर्मदापुरम। गुरु पूर्णिमा पर्व पर गुरुदेव एवं बंदनीय माता जी के सूक्ष्म संरक्षण में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा मां नर्मदा के तट पर स्थित नर्मदापुरम केंद्रीय जेल में 100 कैदी भाइयों द्वारा ली गई गुरु दीक्षा। बंदियों ने गुरु दीक्षा में दुष्प्रवृत्तियों को छोड़कर सत्प्रवृत्तियों को अपनाने का संकल्प लिया। केंद्रीय जेल नर्मदापुरम में खण्ड ब में 100 बंदीओं ने गायत्री मंत्र की दीक्षा लेकर अपने जीवन को संवारने का संकल्प लिया। पूर्व में दोनों जेलों में गायत्री परिवार द्वारा सतसाहित्य पुस्तकालय की स्थापना की गई थी जिसमें गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित 18 सत्संकल्प सूत्र को धारण किया एवं बंदीयों द्वारा मंत्र लेखन अभियान के अंतर्गत करोड़ों मंत्रों के लेखन का कार्य किया जा चुका है जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी ने बताया कि मैं जब जब भी जेल का भ्रमण करता हूं तब तब बंदी यहां मंत्र लेखन करते हुए या स्वाध्याय करते हुए दिखते हैं इस प्रकार के गायत्री परिवार द्वारा चलाए जा रहे बंदी साधना अभियान से हमारे सैकड़ो बंदी व महिला बंदी निरंतर शांतिपूर्वक साधना कर आपस में मिलजुल कर रहते हैं ऐसा प्रतीत होता है यह जेल परिसर ना होकर साधना स्थली के रूप में नजर आता है इसके लिए मैं गायत्री परिवार की पूरी टीम को हृदय से बधाई व धन्यवाद देता हूं गायत्री परिवार द्वारा बंदी साधना अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र की 165 जेलों में हजारों बंदीयों को मंत्र लेखन एवं गायत्री मंत्र साधना से जोड़कर उनके जीवन को परिवर्तित कर सन्मार्ग पर चलाने का कार्य किया जा रहा है गायत्री परिवार द्वारा विभिन्न राज्यों की 122 जेलों में सतसाहित्य पुस्तकालय की स्थापना की जा चुकी है।

जिससे हजारों बंदी सतसाहित्य का स्वाध्याय कर अपने जीवन को धन्य बना रहे हैं कार्यक्रम में जेल विभाग से संतोष सोलंकी जेल अधीक्षक, योगेश शर्मा सहायक जेल अधीक्षक ऋतुराज सिंह दांगी जेलर एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कार्यक्रम में गायत्री परिवार की ओर से यूके सिंह, प्रेमलाल कुशवाहा, ऊषा देवी एवं सीमा यादव उपस्थित रहे।

जिले में रेत खनिज के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्यवाही लगातार जारी,

पुरानी इटारसी से ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत खनिज के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ राजस्व विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में तहसील इटारसी अंतर्गत पुरानी इटारसी से रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर ट्रॉली को मौके पर पकड़ा गया। वाहन को जप्त कर पुलिस थाना इटारसी की अभिरक्षा में रख दिया गया है।एसडीएम इटारसी श्री नीलेश शर्मा के नेतृत्व में हुई कार्यवाही के दौरान तहसीलदार सुनीता साहनी, नायब तहसीलदार कृष्णकांत उइके, नायब तहसीलदार दिलीप परते, ऋद्ध बारस्कर एवं पटवारी गण उपस्थित रहे। एसडीएम श्री शर्मा ने स्पष्ट किया है कि अनुभाग में अवैध खनन और परिवहन पर आगे भी इसी तरह सख्त निगरानी और कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com